● वर्ष-2
● अंक-145
रायपुर, शनिवार
04 फरवरी 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री विवाद अब सुप्रीम कोर्ट में

कोर्ट ने दी केंद्र को जवाब देने के लिए तीन हफ्तों की मोहलत

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और 2002 के गुजरात दंगों पर बीबीसी वृत्तचित्र तक सार्वजनिक पहुंच को अवरुद्ध करने के सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं की एक सीरीज पर केंद्र को नोटिस जारी किया। यह देखते हुए कि लोग बीबीसी की अवरुद्ध डॉक्यूमेंट्री तक पहुंच बना रहे हैं, शीर्ष अदालत ने केंद्र से तीन सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने केंद्र को सुनवाई की अगली तारीख पर विवादास्पद डॉक्यूमेंट्री के लिंक साझा करने वाले ट्वीट को हटाने के आदेश से संबंधित मूल रिकॉर्ड पेश करने का भी निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एमएम सुंदरेश की पीठ ने तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा, पत्रकार एन राम, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण और अधिवक्ता एमएल शर्मा की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। पीठ ने कहा, हम नोटिस जारी कर रहे हैं। जवाबी हलफनामा तीन हफ्ते के भीतर दाखिल किया जाना चाहिए। प्रत्युत्तर उसके दो हफ्ते के बाद दिया जाना चाहिए। प्रतिवादी सुनवाई की अगली तारीख पर इस अदालत में मूल दस्तावेज भी पेश करेंगे। इससे पहले, पीठ ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि उन्होंने इस मामले में उच्च न्यायालय का रुख क्यों नहीं किया। पत्रकार एन राम व अन्य की तरफ से

पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी यू सिंह ने दलील दी कि सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों के तहत हासिल आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल कर वृत्तचित्र को प्रतिबंधित किया है। उन्होंने कहा कि वह पीठ से केंद्र को प्रतिबंध के आदेश से संबंधित सभी मूल रिकॉर्ड शीर्ष अदालत के समक्ष रखने का निर्देश देने की मांग कर रहे हैं।

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नोटिस जारी किया - उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को 2002 के गुजरात दंगों पर आधारित बीबीसी के वृत्तचित्र को प्रतिबंधित करने के उसके आदेश से जुड़े मूल रिकॉर्ड पेश करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने वरिष्ठ पत्रकार एन राम, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा, कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता प्रशांत भूषण और अधिवक्ता एम एल शर्मा की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया। शर्मा ने एक अलग याचिका दाखिल की थी, जिसे अब वृत्तचित्र पर प्रतिबंध से संबंधित सरकारी आदेश के खिलाफ दायर अन्य याचिकाओं के साथ संबद्ध कर दिया गया है। मामले में अगली सुनवाई अप्रैल में होगी।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यह भी एक तथ्य है कि लोग वृत्तचित्र तक पहुंच हासिल कर रहे हैं। इससे पहले, न्यायालय अधिवक्ता शर्मा और सिंह की दलीलों का संज्ञान लेते हुए सरकार द्वारा अपनी आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल कर दो कड़ियों वाले बीबीसी वृत्तचित्र पर प्रतिबंध लगाने के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं को सुनवाई के लिए तत्काल सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गया था। एक याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि वृत्तचित्र 'इंडिया- द मोदी क्वेश्चन' पर प्रतिबंध 'दुर्भावनापूर्ण, मनमाना और असंवैधानिक' है।

राम द्वारा दायर याचिका पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू ने ट्वीट किया था, वे इस तरह माननीय सर्वोच्च न्यायालय का कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं, जहां हजारों आम नागरिक न्याय का इंतजार कर रहे हैं और उसके लिए तारीख मांग रहे हैं।

राम और अन्य ने अपनी याचिकाओं में केंद्र को वृत्तचित्र के संबंध में 'सूचना प्राप्त करने और उसे प्रसारित करने' के अपने अधिकार पर अंकुश लगाने से रोकने के लिए एक निर्देश जारी करने की मांग की है। इन याचिकाओं में अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर शीर्ष अदालत के विभिन्न आदेशों का जिक्र करते हुए कहा गया है, प्रेस सहित सभी नागरिकों को वृत्तचित्र को देखने, उस पर राय कायम करने, उसकी समालोचना करने, उससे संबंधित शिकायत करने और उसे कानूनी रूप से प्रसारित करने का मौलिक अधिकार है, क्योंकि बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार में सूचना प्राप्त करने और प्रसारित करने का अधिकार शामिल है।

याचिकाओं में सोशल मीडिया पर साझा की गई सूचनाओं सहित सभी सूचनाओं को 'प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सेंसर करने वाले आदेशों' को रद्द करने की भी मांग की गई है। इनमें ट्विटर कम्युनिकेशन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और गूगल इंडिया को पक्ष बनाते हुए याचिकाकर्ताओं की ओर से किए गए ट्वीट को बहाल करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

ठेलों-खोमचों की बढ़ती संख्या

रायपुर शहर का निरंतर विस्तार हो रहा है। यहां की आबादी भी बढ़ती जा रही है। आज से 15 वर्ष पूर्व जब नई राजधानी का निर्माण होने लगा तब पुराने रायपुर शहर को व्यवस्थित करने के लिए सड़कों का जाल बिछा। शहर के किनारे कॉलोनियां बसने लगी और देखते ही देखते शहर का दायरा कई किलोमीटर बढ़ गया। अब सवाल यह है कि रायपुर राजधानी में जो जनसंख्या बढ़ी है वह किस वजह से है? पहला कारण तो राजधानी बनने के बाद मंत्रालय सचिवालय सहित अन्य कार्यालयों में काम करने आए कर्मचारियों-अधिकारियों के कारण जनसंख्या बढ़ी। नए राज्य में व्यापार, उद्योग में बढ़ोतरी हुई और यहां भी काम करने वाले रायपुर में आकर बसते गए। आसपास के गांव से भी बड़ी संख्या में ग्रामीण पलायन कर रायपुर में बसते चले गए। इन सबके अलावा उत्तरप्रदेश, राजस्थान, बिहार, उड़ीसा जैसे पड़ोसी राज्यों से बड़ी संख्या में ठेले-खोमचे लगाने वाले छोटे व्यापारी राजधानी रायपुर में बढ़े है। पिछले 2-3 वर्षों में ठेले-खोमचे लगाने वाले व्यापरियों की संख्या बेतहाशा बढ़ी है। अब स्थिति यह है कि आप किसी भी सड़क से गुजरे सड़क के किनारे ठेले-खोमचे लगाने वाले चाट पकौड़ी गुपचुप बेचने वाले मिल जाएंगे। यह ठेले खोमचे लगाने वाले कहां से आए है, इसका कोई व्यस्थित रिकॉर्ड पुलिस के पास है भी या नहीं इसमें संदेह है। राजधानी में अपराध की दर भी बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों में दूसरे प्रदेशों से ऑटो चलाने या ठेला-खोमचा चलाने के नाम पर आए अपराधियों ने बड़ी वारदातों को अंजाम दिया है। इसलिए राजधानी में जो छोटे व्यापारी काम कर रहे है उन पर निगरानी की आवश्यकता है। वैसे तो केंद्र सरकार ने स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम पारित किया हुआ है। इस कानून के हिसाब से सड़क किनारे ठेले-खोमचों लगाने वालों का पंजीयन कर उन्हें स्थायी व्यवस्थापन करना है। एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि राजनेता अपना वोट बैंक साधने के लिए ऐसे ठेले-खोमचों वालों को राजधानी में लाकर बसा रहे है। इसका दुष्परिणाम यातायात व्यवस्था में बदहाली के रुप में देखा जा सकता है। सड़कें भले ही चौड़ी हो गई हो लेकिन ठेले-खोमचों के जगह घेरने और वहां पर ग्राहकों की भीड़ के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। वैसे तो कानून कहीं पर भी ठेला लगाना प्रतिबंधित है लेकिन नेताओं के संरक्षण में ऐसा किया जा रहा है। प्रशासन को इस बात पर गौर करना चाहिए यातायात प्रभावित होने के कारण राजधानी में बूढ़ापारा स्थित धरना स्थल को बदलने की मांग की जा रही है। ठेले-खोमचों का भी व्यवस्थापन होना चाहिए।

त्रिपुरा विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार गर्मा गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को राज्य में धुआंधार जनसभाएं कीं और पार्टी के अन्य नेताओं ने भी कई रैलियों को संबोधित कर जनता से एक बार फिर भाजपा गठबंधन की सरकार चुनने का आह्वान किया। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने त्रिपुरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पांच साल पहले त्रिपुरा दंगों, बंद और अशांति के लिए जाना जाता था तो वहीं आज त्रिपुरा में विकास, कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर और शांति दिखती है।

दुनिया के नेताओं में नरेंद्र मोदी सबसे लोकप्रिय

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकप्रियता के मामले में 22 देशों के नेताओं से आगे हैं। नवीनतम सर्वेक्षण में, प्रधान मंत्री मोदी की 78 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग है। मोदी के बाद मैक्सिको के राष्ट्रपति लोपेज ओब्रेडोर दूसरे स्थान पर हैं। 68 फीसदी लोगों ने उन्हें अपनी पहली पसंद बताया। स्विस राष्ट्रपति एलेन बेर्सेट सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उन्हें 62 फीसदी अप्रूवल मिला है। सर्वे के मुताबिक सितंबर 2021 के बाद पीएम मोदी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

अमेरिका स्थित वैश्विक सर्वेक्षण कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस

58 प्रतिशत रेटिंग के साथ चौथे स्थान पर हैं और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा 50 प्रतिशत रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर हैं। इस तरह महाशक्ति अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों शीर्ष 5 नेताओं की सूची से बाहर हो गए। ट्रंप की कड़ी चुनौती के बावजूद बाइडेन को सिर्फ 40 फीसदी अप्रूवल रेटिंग मिली। बाइडेन लोकप्रिय नेताओं की सूची में सातवें स्थान पर हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही- कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो नौवें स्थान पर हैं। उन्हें 40 फीसदी अप्रूवल मिला है। ऋषि सुनक को महज 30 फीसदी रेटिंग मिली, जो चुनाव से पहले उनके लिए बड़ा झटका है। लोकप्रिय नेताओं की सूची में सबसे नीचे नॉर्वे के नेता जोनास गहर स्टॉर 22वें स्थान पर हैं। 21 प्रतिशत रेटिंग के लिए संतोष करना पड़ा। सितंबर 2021 के बाद पीएम मोदी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, सर्वे कहता है। मई 2021 में प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता 63 प्रतिशत पर पहुंच गई। इसके बाद से उनके चाहने वालों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है।

देश को सही दिशा में ले जा रहे हैं पीएम मोदी- 76 फीसदी लोगों ने कहा कि पीएम मोदी देश को सही दिशा में ले जा रहे हैं। यह नवीनतम सर्वेक्षण 26 जनवरी और 31 जनवरी, 2023 के बीच आयोजित किया गया था। मॉर्निंग कंसल्ट संगठन ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में जहां 45,000 लोगों का साक्षात्कार लिया गया था, वहीं दुनिया भर में यह औसतन 500 से 5,000 लोगों के बीच था। यह लोकप्रियता इसी पूरे सर्वे पर आधारित है। ये सभी सर्वेक्षण वयस्कों के बीच ऑनलाइन किए गए थे।

प्रमुख समाचार

संजय बनकर असलम कर चुका था छह शादियां, सातवीं के वक्त मंडप पर खुल गई पोल

रांची। झारखंड में सातवीं शादी करने की फिराक में लगे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने अपनी पहचान और धर्म छुपाकर छह शादियां कर रखी थीं। उसकी पहचान असलम के रूप में हुई है। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि आरोपी की उम्र 50 साल है और वह धनबाद के भूली का रहने वाला है। जानकारी के मुताबिक, वह खुद को पुलिस का अधिकारी बताते हुए लड़कियों को अपने जाल में फंसाता था। असलम सातवीं बार शादी करने की फिराक में था, लेकिन इस बार वह कामयाब नहीं हो सका और उसकी असली पहचान, धर्म का खुलासा हो गया। हालांकि, खुद को संजय बताने वाला असलम किसी तरह मौके से फरार हो गया। मामले में सिटी डीएसपी कुलदीप कुमार ने बताया कि पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश में थी। पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए असलम को रांची से गिरफ्तार कर लिया।

ज़रूरतमंद तबकों को मिल सकती है एलपीजी सिलेंडर की सब्सिडी-हरदीप पुरी

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज संकेत दिया कि केंद्र जरूरतमंद की श्रेणी में कुछ और ऐसे तबकों को लाने पर विचार कर रहा है, जिन्हें एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी की जरूरत है। इंडिया टीवी बजट 2023 कॉन्क्लेव में सवालों के जवाब देते हुए पुरी ने कहा 'पहले से ही हम आर्थिक रूप से गरीब वर्गों को डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से प्रति सिलेंडर 200 रुपये की सब्सिडी दे रहे हैं। यदि कुछ और जरूरतमंद तबकों को इसकी जरूरत है, तो हम इस पर विचार कर सकते हैं। लेकिन, सब्सिडी धीरे धीरे अब कम होनी चाहिए।' पुरी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि उज्ज्वला योजना, जिसके तहत गरीब परिवारों को 9.6 करोड़ कनेक्शन दिए गए हैं, असफल साबित हुई है क्योंकि बहुत से गरीब परिवारों ने ऊंची कीमतों के कारण नए सिलेंडर खरीदना बंद कर दिया है। मंत्री ने कहा, %यह गलत जानकारी है। सच्चाई यह है कि 4 लोगों के एक औसत परिवार के द्वारा साल भर में खरीदे जा रहे 4 सिलेंडर की तुलना में एक औसत गरीब परिवार साल में इस समय 3.9 सिलेंडर खरीद रहा है।'

सोनिया गांधी को हमने नहीं भेजी कोई चिट्ठी, किसी ने फर्जीवाड़ा किया है- सिद्धारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को दावा किया कि उनके नाम से कांग्रेस आलाकमान को भेजा गया पत्र फर्जी था। कन्नड़ में लिखा गया कथित पत्र, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सोनिया गांधी को संबोधित किया गया था, जिसमें टिकटों को लेकर मतभेदों के कारण पार्टी रैंकों के भीतर संभावित विद्रोह के बारे में जानकारी दी गई थी। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने कन्नड़ में कथित पत्र को साझा करते हुए ट्वीट किया कि हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच भ्रम पैदा करने के इरादे से पत्र लीक किया गया है, जो अगले चुनाव में जीत की राह पर है।सिद्धारमैया ने आगे दावा किया कि पत्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के साथ उनके संबंध को बिगाड़ने के उद्देश्य से जारी किया गया और सूचित किया कि वह पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने दोहराया कि कुछ बदमाशों ने मेरे और केपीसीसी अध्यक्ष के बीच संबंध खराब करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से ऐसा किया। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि इस पत्र से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

पी. चिदंबरम की पत्नी नलिनी और अन्य की संपत्ति कुर्क, ईडी ने की कार्रवाई

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सारदा मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम की पत्नी नलिनी चिदंबरम, सीपीएम के पूर्व विधायक देबेंद्रनाथ बिस्वास और अन्य लाभार्थियों की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने शुक्रवार को कहा कि नलिनी चिदंबरम, सीपीएम के पूर्व विधायक देबेंद्रनाथ बिस्वास और असम के पूर्व मंत्री अंजान दत्ता की कंपनी की कुल छह करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत 3.30 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और तीन करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क करने का अस्थायी आदेश जारी किया गया है। ईडी के मुताबिक, इन संपत्तियों पर सारदा समूह और अन्य लोगों का स्वामित्व था, जो समूह द्वारा धोखाधड़ी से अर्जित की गई थी। लाभार्थियों में नलिनी चिदंबरम, देवव्रत सरकार , देबेंद्रनाथ बिस्वास और अनुभूति प्रिंटर और प्रकाशन शामिल हैं।

कंगाली दूर करने का जिहादी प्लान, एक हाथ में कुरान, दूसरे में एटम बम, झुकेगी सारी दुनिया

कराची। पाकिस्तान बर्बादी की कगार पर है। यही नहीं पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार का खाता भी खाली होने वाला है। लोगों में दाने-दाने को लेकर मारामारी मची हुई है। लेकिन दूसरी ओर सभी देशों को पाकिस्तान के परमाणु बमों को लेकर चिंता सता रही है। अगर पाकिस्तान एक मुल्क के रूप में विफल हुआ और वहां आतंकवादी संगठनों ने पैर पसारे तो बड़े पैमाने पर विनाशकारी हथियार गलत हाथों में जा सकता है। ये डर पूरी दुनिया का है क्योंकि पाकिस्तान एक कट्टरपंथी देश है। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पाकिस्तान के कट्टरपंथी नेता परमाणु बम को लेकर इरादे बता रहे हैं। वीडियो में तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान पार्टी का नेता साद रिजवी जो कहता नजर आ रहा है वो और भी खतरनाक है। रिपोर्ट के मुताबिक स्वीडन और नीदरलैंड में कुरान जलाने के मुद्दे पर प्रकाश डालते हुए साद रिजवी ने कहा कि पाकिस्तानी सरकार ने कमजोर प्रतिक्रिया दी, उन्हें सबक सिखाने में नाकाम रही।

अडाणी बनाम हिंडनबर्ग रिसर्च

विदेशी धन और धरती से क्यों लड़ी जा रही है देश की राजनीतिक जंग?

उमेश चतुर्वेदी

उद्योगपति गौतम अडाणी की कंपनियों पर एक विदेशी रिसर्च कंपनी द्वारा लगे आरोपों के बाद जिस तरह संसद को विपक्षी दलों द्वारा बाधित किया जा रहा है, उससे आम धारणा बन रही है कि अडाणी पर हमला सुनियोजित है और इसके पीछे बड़ी राजनीतिक और कॉरपोरेट ताकतों का हाथ है। सूचना क्रांति के दौर में बड़ी लड़ाइयों के हथियार बदल गए हैं। अब लड़ाई परसेप्शन यानी अवधारणा की हो गई है। इसके लिए वृतांत यानी नैरेटिव रचे जाने लगे हैं। यह नैरेटिव ही है कि गौतम अडाणी का विकास यानी नरेंद्र मोदी का विकास है। अडाणी के हाथ में देश बिक गया है, यह नैरेटिव कम से कम भारत के उस वर्ग के मन में पैठ गया है, जो सूचना क्रांति से उपजी दुश्वारियों और अंतःपुर की कहानियों को नहीं समझता-बूझता।

जबकि हकीकत यह भी है कि जिस विपक्षी कांग्रेस ने इस नैरेटिव को स्थापित किया है, उसी कांग्रेस शासित खनिज बहुल राज्य छत्तीसगढ़ में गौतम अडाणी और उनकी कंपनियां सबसे दुलारी हैं। कांग्रेस शासित राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार भी गौतम अडाणी की कंपनियों के साथ ही बेहतर जादू दिखाती हैं। राहुल - प्रियंका की अगुआई वाली कांग्रेस और उसके साथ कोरसगान में शामिल मौजूदा समाजवादी और वामपंथी राजनीति ने यह भी नैरेटिव स्थापित करने की कोशिश की है कि देश को नरेंद्र मोदी ने अंबानी को बेच दिया है। यह उस कांग्रेस का नैरेटिव है, जिसके राज में धीरूभाई अंबानी को टैक्स छूट मिली, पोलिएस्टर आयात की विशेष अनुमति मिली। कांग्रेस से रिलायंस के संबंधों पर एक बार लोकसभा में विपक्ष के नेता रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने चुटकी तक ली थी, रिलायंस या रियल एलाएंस। यह ध्यान देने की बात है कि केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी के विराट उभार के बाद

परसेप्शन की लड़ाइयां कुछ ज्यादा ही घनीभूत हो गई हैं। इन लड़ाइयों का प्रत्यक्ष संचालन विदेश से हो रहा है। वैसे इसका असर साल 2011 में ही दिखने लगा था। उस वक्त भी विदेशी धरती से पूरे देश के मोबाइल फोन पर अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल के समर्थन में ज्ञान बांटे जा रहे थे। परसेप्शन रचे जाने के इस तरीके को नरेंद्र मोदी ने भी अपनाया और उनके रणनीतिकारों ने उनकी भी छवि बड़ी मेहनत से ऐसी गढ़ी, कि वे देश की राजनीति में नरेंद्र मोदी के विराट उभार के बाद केंद्रीय सत्तारोहण के बाद कभी न्यूयार्क तो कभी टैक्सास तो कभी लंदन तो कभी कैनबरा तो कभी टोकियो तो कहीं और, मोदी के रणनीतिकारों ने उनके भाषण रखवाए। इसके जरिए मोदी की अंतरराष्ट्रीय छवि रची गई। लेकिन नरेंद्र मोदी और कांग्रेस के रणनीतिकारों में एक बुनियादी फर्क है। मोदी के रणनीतिकारों ने विदेशी धरती का इस्तेमाल उनकी छवि रचने और गढ़ने के लिए किया तो कांग्रेसी रणनीतिकार मोदी की छवि धूमिल करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। इसके लिए वे छद्म नैरेटिव रचते हैं, सोशल मीडिया के जरिए उसे स्थापित करते हैं और फिर भेड़ की तरह जनता जुट जाती है। इसके तहत कथित आंदोलनकारी को खिलाने-पिलाने, ठहरने-ठहराने का इंतजाम होता है। उसे प्रचारित करने के लिए भारी-भरकम मीडिया फंड खर्च होता है। कुछ यू ट्यूबर को हायर किया जाता है और परिश्रम एवं बुद्धिमानी से तैयार इस इको सिस्टम के जरिए छद्म नैरेटिव को ऐसा स्थापित किया जाता है कि वह सच लगने लगता है। इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण करीब साल भर तक चला किसान आंदोलन है। किसान कानून क्या हैं, उनकी कमियां क्या हैं, उस पर गहन बात नहीं होती थी। लेकिन आंदोलन चलता रहा और उसे कनाडा की धरती से आर्थिक सहयोग मिलता रहा। इस्लामी देशों से भी कुछ सहयोग मिला। ग्रेटा थनबर्ग भारत के किसान कानून को नहीं जानती होंगी, इस बात की पूरी गारंटी है। लेकिन वे भी भारतीय कानून और प्रधानमंत्री के खिलाफ बयानबाजी में उतर आईं। नागरिकता संशोधन कानून के साथ भी यही हुआ। छद्म नैरेटिव स्थापित किया गया कि यह कानून लागू होते ही मुस्लिम लोगों को दर-बदर कर दिया जाएगा। मुस्लिम जनसंख्या के बड़े हिस्से ने इसे स्वीकार भी कर लिया और फिर किसी शाहीन बाग तो किसी सीलमपुर में वह जम गया।

नागरिकता विरोधी आंदोलन को भी विदेशी धरती विशेषकर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस से सहयोग मिला। मौजूदा विश्व की धारणा है कि लोकतंत्र शासन का बेहतरीन मॉडल है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी आदि इसके बेहतरीन उदाहरण माने जाते हैं। लेकिन इस व्यवस्था की एक खामी यह भी है कि वहां भी शासन विरोधी शक्तियां उसी तरह की अतिवादी सोच से प्रभावित हैं, जैसा कि मध्य युग में होता था।

अडाणी पर हमला भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। जिसमें विदेशी जमीन का इस्तेमाल हुआ। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट की टाइमिंग भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। अमेरिकी कंपनी ने ठीक उसी वक्त अपनी रिपोर्ट जारी की, जिस वक्त अडाणी की कंपनी अपना एफपीओ मार्केट में ला रही थी। यह संयोग नहीं, सुनियोजित विदेशी खेल है कि ठीक बजट सत्र के दौरान इस रिपोर्ट को जारी किया गया। ऐसे में विपक्ष के हंगामे को देखें तो यह मानने से गुरेज नहीं होना चाहिए कि इसकी टाइमिंग भी रणनीति के तहत चुनी गई होगी।

राज्य सरकार लोक कलाकारों के संरक्षण एवं संवर्धन का काम कर रही है: गृहमंत्री

■ दुर्ग ग्रामीण विधानसभा स्तरीय लोककला महोत्सव में दो दिनों हुआ शानदार आयोजन

दुर्ग। छ. ग. की कला को निखारने के लिए दो दिवसीय लोक कला महोत्सव का आयोजन ग्राम अछोटी मे दो दिवसीय रखा गया । इस आयोजन मे दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत के विभिन्न लोकनृत्य से संबंधित सामुहिक लोकनृत्य , रुप मे सुवा नृत्य , पंथी नृत्य , डंडा नृत्य ,कर्मा आदि मे सम्मिलित किया गया था। आयोजन में सामुहिक लोकगीत तहत फाग गीत , जसगीत, आदि के साथ लोकगाथा मे पंडवानी , भरतरी बांसगीत तथा लोकनाट्य विधा मे नाचा गम्मत की प्रस्तुति दी गई। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के कलाकारों को मंच प्रदान करने के साथ साथ लोककला के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विधा मे लगभग एक हज़ार से ज्यादा कलाकारो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

विशेष आकर्षण में आयोजन समिति द्वारा मुख्य अतिथि के स्वागत में बैलगाड़ी की सवारी के साथ राऊत नित्य की शानदार प्रस्तुति कर समस्त अतिथियों का स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गृह, जेल, लोक निर्माण, धर्मस्व एवं पर्यटन मंत्री छ.ग. शासन ताम्रध्वज साहू, अध्यक्षता अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग शालिनी रिवेन्द्र यादव , विशेष अतिथि , महामंत्री, प्रदेश कांग्रेस जितेन्द्र साहू , सदस्य मंडी बोर्ड तारकेश्वर चंद्राकर , अध्यक्ष, जनपद पं. दुर्ग देवेन्द्र देशमुख ,उपाध्यक्ष, ज. पं. दुर्ग झमित गायकवाड़ ,कृषि सभापति जि. पं. दुर्ग योगिता चंद्राकर , संरक्षक समाजसेवी हर्ष साहू ,महापौर, न. नि. रिसाली शशि सिन्हा , सभापति, न.नि. रिसाली केशव बंछोर ,अध्यक्ष, सरपंच संघ मुकुंद पारकर, सभापति ज.प. दुर्ग टिकेश्वरी लाल देशमुख ,सरपंच ग्रामअछोटी दुर्ग घनश्याम दिल्लीवार,अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति कुथरेल अध्यक्ष शिवनारायण दिल्लीवार उपस्थित थे। कार्यक्रम का स्वागत भाषण समाज सेवी हर्ष साहू ने आयोजन में सभी कलाकारों का अभिनंदन के साथ उत्साह वर्जन किया। सरपंच घनश्याम दिल्लीवार ने इस आयोजन को सफल बनाने हेतु सभी आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि श्री साहू ने कहा कि इस महोत्सव में दुर्ग ग्रामीण विधान सभा के कलाकारों के द्वारा अपनी भाषा संस्कृति और कला का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से ऐसे आयोजनों से स्थानीय कलाकारों को भी उनकी कला को प्रदर्शित करने का मौका मिलता है। इससे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कलाकार आगे बढ़ते है और लोक कला तथा स्थानीय परंपरा एवं संस्कृति की पहचान विश्व स्तर पर होती है। आगे कहा की प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष रुचि के चलते राज्य में छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के संरक्षण के चलते कला और संस्कृति के पुष्पित एवं पल्लवित होने का अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है राज्य सरकार लोक कलाकारों के संरक्षण एवं संवर्धन का काम कर रही है। लोक महोत्सव के तहत आयोजित सुआ ,कर्मा दादरिया , पंडवानी,नाचा गम्मत और राउत नाचा, आयोजन के दूसरे दिन गुरुवार को प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में समा बांधा। इस अवसर पर सेवा सहकारी समिति कोडिया अध्यक्ष भरत चंद्राकर, सेवा सहकारी समिति उतई दिवाकर गायकवाड, सरपँच ग्राम पंचायत चिंगरी पुष्पा देशमुख, सरपँच तिरगा घसियाराम देशमुख, सरपँच मंजू यादव, बिरेन्द्र दिल्लीवार, जनपद सदस्य दीपिका चंद्राकर, सरपँच मंचादुर दिलीप पार्षद सोनिया देवांगन, राजेन्द्र रजक,पार्षद अनिल देशमुख, समीर साहू,दिग्विजय सिन्हा, दिगम्बर दिल्लीवार, रजत दिल्लीवार, बरातू दिल्लीवार सहित समस्त ग्रामवासी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

अमृत काल का ऐतिहासिक व सर्वश्रेष्ठ बजट : श्रवण मरकाम

नगरी। केंद्र सरकार ने बुधवार को संसद में वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट पेश किया। एक तरफ भाजपा इसे अमृतकाल का सर्वश्रेष्ठ बजट बता रही है तो वहीं कांग्रेस इस पर अपने ही अंदाज में प्रतिक्रिया दे रही है।

भाजपा के दिग्गज आदिवासी नेता व पूर्व विधायक सिहावा श्रवण मरकाम ने इस बजट पर अपनी बात रखते हुए कहा कि यह बजट जन आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला बजट है। यह बजट गांव, गरीब, किसान, युवा, महिलाओं, बुजुर्गों, पिछड़ों, वंचितों, दलितों, जनजातीय समाज सहित हर वर्ग की आम जनता का खास बजट है। इस बजट में छत्तीसगढ़ के समग्र विकास का खाका तैयार हो गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प पर आधारित यह बजट सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का प्रतिफल है जो देश के विकास में ऐतिहासिक भूमिका निभाएगा। यह बजट घरेलू मोर्चे पर जन आकांक्षाओं की पूर्ति, जन संतुष्टि, संतुलन के साथ ही विश्व में भारतीय अर्थ व्यवस्था का डंका बजाने वाला बजट है। इससे कृषि उपकरण व मशीनरी सस्ती होगी जिससे किसान कृषि के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति करेंगे। ठोस बुनियाद वाला यह बजट देश की युवा पीढ़ी के भविष्य को संवारने के लिए तत्पर है। यह रोजगार देने वाला बजट है। आम मध्यम वर्ग और आम जनता को राहत देने वाला बजट है। ऐतिहासिक टैक्स रिफार्म्स से सबको राहत मिली है। यह बजट, बुलंद भारत की मजबूत अर्थ व्यवस्था का प्रतीक है। इस बजट से हमारे सुदूर अंचल के जनजातीय समाज को विशेष लाभ मिलेगा। एकलव्य विद्यालयों में भर्तियां होंगी तो वहीं हमारे तकनीकी शिक्षा संस्थानों को नवीन अवसर मिलेंगे।

पूर्व विधायक श्रवण मरकाम ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट को 'अमृतकाल' का पहला आम बजट बताते हुए इसे लोक कल्याणकारी बजट करार दिया है। उन्होंने आगे कहा कि यह बजट बच्चों की पढ़ाई, मध्यम वर्ग की कमाई और बुजुर्गों की भलाई पर जोर देने वाला है। पूर्व विधायक श्रवण मरकाम ने आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान इस ऐतिहासिक बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का अभिनंदन किया।

छत्तीसगढ़ राज्य स्व. चंदूलाल की सबसे बड़ी देन: मुख्यमंत्री

■ ग्राम तर्रा में चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज का वार्षिक अधिवेशन हुआ

पाटन। चन्द्रनाहूँ (चन्द्राकर) कुर्मी क्षत्रिय समाज पाटन जामगांव (एम) परिक्षेत्र के ग्राम तर्रा के लता कुंज मे चन्दूलाल चन्द्राकर की पुण्यतिथि, मातापिता सम्मान एवं परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएम भूपेश बघेल थे। अध्यक्षता नरसिंह प्रसाद चन्द्राकर समाज सेवी, शंकराचार्य आश्रम, रायपुर ने की।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्वर्गीय चंदूलाल चंद्राकर की सबसे बड़ी देन है। खेती किसानी को आगे बढ़ाने में छत्तीसगढ़ी अस्मिता को आगे बढ़ाने में रेल मिल आदि अनेक उद्योगों को बढ़ावा देने के मामले में श्री चंद्राकर का बड़ा योगदान रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज ग्राम तर्रा में आयोजित चंद्रनाहु कुर्मी क्षत्रिय समाज के वार्षिक अधिवेशन तथा स्वर्गीय चंदूलाल चंद्राकर की पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक जनों को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने इस दौरान स्वर्गीय चंदूलाल चंद्राकर की अनेक स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय चंद्राकर बहुत ही मिलनसार स्वभाव के थे। कोई भी उनके पास किसी भी मूड में आता, उनकी सहज मुस्कान देखकर शांत हो जाता। सिद्धांत की बातों पर स्वर्गीय चंद्राकर कभी नहीं डिगते थे और अंगद के पांव की तरह स्थिर हो जाते थे। वे हमेशा छत्तीसगढ़िया लिबास में रहते थे और जब भी तर्रा आते थे तब चना खाते थे। उनके योगदान को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि स्वर्गीय चंद्राकर का संबंध महात्मा गांधी, बिरला परिवार तथा देश के सबसे प्रतिष्ठित लोगों के साथ रहा।

बकायादारों पर निगम के राजस्व अमले के द्वारा ताबड़तोड़ कार्यवाही

घर दुकान सील करने पर जमा कर रहे बकाया राशि

कोरबा। आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय के निर्देशन में निगम के राजस्व अमले द्वारा बकायादारों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है, बकायादारों के मकान व दुकान आदि को सील किया जा रहा है तथा सील करने के बाद संबंधित बकायादारों द्वारा बकाया राशि निगम कोष में तत्काल जमा भी कराई जा रही है। इसी कड़ी में आज निगम के दर्री जोनांतर्गत 06 बकायादारों के मकान सील किए जाने के बाद इन बकायादारों द्वारा बकाया कर की राशि निगम कोष में जमा कराई गई। आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय ने बकायादारों से पुनः कहा है कि वे करों की बकाया राशि शीघ्र निगम कोष में जमा कराएं तथा निगम द्वारा इस दिशा में की जा रही कार्यवाही से होने वाली असुविधा से बचे।

नगर पालिक निगम कोरबा को सम्पत्तिकर, समेकित कर, जलकर, भवन दुकान किराया आदि सहित अन्य करों के माध्यम से राजस्व प्राप्त होता है, इस राजस्व का उपयोग निगम द्वारा आमनागरिकों को मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता बनाए रखने, नगर का विकास करने व अन्य व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन में किया जाता है किन्तु कतिपय करदाताओं द्वारा समय पर कर की राशि निगम को अदा नहीं की जाती है, जिसके परिणाम स्वरूप एक ओर जहाँ निगम को आर्थिक क्षति होती है व नागरिक सुविधाएं एवं विकास कार्य प्रभावित होते हैं, वहीं दूसरी ओर बकायादारों पर बकाया राशि बढती जाती है तथा एक बड़ी राशि बकाया के रूप में निर्मित हो जाती है। आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय के निर्देश पर निगम द्वारा इन करदाताओं, बकायादारों को डिमांड, नोटिस, वारंट आदि की तामिली किए जाने एवं बार-बार बकाया राशि जमा किए जाने के आग्रह के बावजूद बकाया राशि जमा नहीं कराई गई है, यहाँ उल्लेखनीय है कि निगम द्वारा बड़े बकायादारों की सूची का प्रकाशन भी मीडिया में कराया जाकर उन्हें हिदायत दी गई थी कि वे बकाया करों की राशि शीघ्र से शीघ्र निगम कोष में जमा कराएं। निगम द्वारा अब इन बकायादारों पर कार्यवाही की जा रही है, इसी कड़ी में आज दर्री जोन के अंतर्गत मकानों में ताला लगाने व सील करने की कार्यवाही निगम अमले ने की है, प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यवाही के पश्चात सरदार पटेलनगर निवासी श्री के.एल. गोस्वामी के द्वारा 50 हजार रूपये की बकाया कर राशि निगम कोष में जमा कराई गई है, वहीं पटेलनगर की ही निवासी बकायादार सुनीता अग्रवाल ने भी 50 हजार रूपये की बकाया राशि निगम कोष में जमा कराई है। इसी प्रकार वार्ड क्र. 46 अयोध्यापुरी निवासी गौतम साहू ने 25 हजार रूपये तथा वार्ड क्र. 51 लाटा निवासी लीलावती ने 20 हजार रूपये बकाया राशि जमा कराई, वहीं, वार्ड क्र. 48 निवासी सूर्यभवन सिंह व वार्ड क्र. 51 केंदईखार निवासी एस.एस.ठाकुर के द्वारा भी बकाया राशि जमा कराने हेतु शाम 5.30 बजे तक का समय मांगा गया है कि उनके द्वारा बकाया राशि आज ही जमा करा दी जाएगी। नियमितीकरण हेतु विशेष अभियान - आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अनियमित विकास के नियमितीकरण हेतु निगम क्षेत्र के सभी 67 वार्डों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

जीवन के सभी क्षेत्र में रामायण का है महत्व : लक्ष्मी ध्रुव

■ बिरझूली में हुआ रामायण प्रतियोगिता का समापन

नगरी। त्रिदिवसीय रामायण प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम बिरझूली सिंगपुर में किया गया। समापन व विसर्जन कार्यक्रम में सिहावा विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव उपस्थित हुई। उन्होंने कहा कि रामायण सिर्फ एक ग्रंथ ही नहीं बल्कि धर्म का समग्र रूप है।धर्म, समाज, राजनीति समेत जीवन के सभी क्षेत्र में रामायण का महत्व है। रामायण से हमें सदाचार की सीख मिलती है, हमारे जीवन मे अच्छाईयों के प्रकाश की रौशनी हम रामयण का अनुसरण कर पहुंचा सकते है। रामायण से हमें प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के साक्षात दर्शन प्राप्त होते हैं। यदि हम राम के व्यक्तिव के कुछ गुणों को भी अपने चरित्र में धारण कर लें तो अवश्य ही वर्तमान समाज को किसी हद तक रामराज्य बनाने में सफल हो सकते हैं। स्वच्छ, स्वस्थ्य और उज्ज्वल माहौल की परिकल्पना को साकार करने के लिए गांव-गांव में रामायण का आयोजन जरूरी है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य लखन लाल ध्रुव , ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मगरलोड के अध्यक्ष डीहू राम साहू, गोतेश साहू युवा कांग्रेस, राजेंद्र साहू सेक्टर अध्यक्ष, विशाल सिन्हा, लोकनाथ सिन्हा, सोनबेर सर, राजा खान, पुरुषोत्तम सिन्हा, हरीराम साहू सेक्टर अध्यक्ष, अनवर खान उपसरपंच बिरझुली, कांति कवर जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष ज्योति ठाकुर, जनपद उपाध्यक्ष राजेश साहू , मोहम्मद खान, राकेश सेन मीडिया प्रभारी जोन मगरलोड उपस्थित थे।

विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने रंगमंच के सामने शेड निर्माण हेतु लाख रुपए की घोषणा की। यह घोषणा ग्रामवासी, आयोजक समिति व कार्यकर्ताओं के मांग पर की गई, जिस पर ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए विधायक को धन्यवाद दिया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

फोन पर कलेक्टर बताकर सरपंच-सचिव से ऐंठे पैसे

धमतरी। लोगों को फोन लगाकर खुद को बैंक मैनेजर बताना, खाते का गोपनीय कोड पूछकर रकम पार कर देना, अब ऑनलाइन ठगी का ये पैंतरा पुराना हो चुका है। ठगों ने अब खुद को सरकारी अधिकारी और कर्मचारी बताकर लोगों को अपने निशाने पर लेना शुरू कर दिया है। ऐसा ही छत्तीसगढ़ के धमतरी में एक अनोखा ठगी का मामला आया है, जहां फोन पर कलेक्टर बनकर सरपंच-सचिव से ठग ने रकम ऐंठ लिए। धमतरी जिले के कुरुद जनपद में आने वाले अटंग पंचायत के सरपंच और सचिव को ठगों ने अपने जाल में फंसाकर 20 हजार रुपए अपने खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। हाल ही में धमतरी में नए कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी ने पदभार संभाला है। ठगों ने अटंग पंचायत के सचिव मन्नू लाल और सरपंच रोशन लाल को फोन लगाकर खुद को कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी बताया। पंचायत के फाइल और कामकाज में गड़बड़ी की बात की। फिर जनता से मिली शिकायत का हवाला देकर कार्रवाई करने की बात कही।

लकड़ी बीनने गया धनुर्जय भिड़ गया भालू से

जगदलपुर। जगदलपुर में बुधवार को एक बुजुर्ग अपनी और साथियों की जान बचाने के लिए भालू से भिड़ गया। दोनों के बीच कुछ मिनट तक लड़ाई चलती रही। इसके बाद भालू जंगल में भाग गया। इसके बाद उसके साथी टोकरी में लेकर घायल बुजुर्ग को अस्पताल पहुंचे। फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बुजुर्ग अपने दो अन्य साथियों के साथ जंगल में लकड़ी बीनने के लिए गया था। मामला परपा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पुसपाल से लगे ग्राम जोजल में रहने वाला धनुर्जय ठाकुर (60) घर से 15 किमी दूर माचकोट रेंज के जंगल में लकड़ी बीनने के लिए गया था। उसके साथ दो अन्य साथी संपत और नडगु भी थे। तीनों लकड़ी बीन रहे थे कि इसी दौरान एक बड़ा भालू आ गया। उसने ग्रामीणों पर हमला किया तो धनुर्जय उससे भिड़ गया। कुछ मिनट तक दोनों की लड़ाई होती रही। इसके बाद भालू जंगल की ओर भाग गया। इस हमले में धनुर्जय की जांघ पर भालू ने काट लिया। संपत और नडगु उसे बांस की टोकरी में बिठाकर घर तक लाए।

कानन पेंडारी में बाघ की मौत दो शावकों का चल रहा इलाज

बिलासपुर। मिनी-जू कानन पेंडारी में एक बाघ नर शावक की मौत हो गई। फेलाइन पेन ल्यूकोपेनिया नामक वायरस से नर शावक मितान की मौत होने की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। वहीं दो मादा शावक आनंदी और दिशा का रेस्क्यू सेंटर में उपचार जारी है। बताया जा रहा कि लंग्स, लीवर और अन्य आर्गन में संक्रमण फैलने से शावक ने दम तोड़ा है। दो मादा शावक आनंदी और दिशा का रेस्क्यू सेंटर में उपचार जारी है। इन्हें अब तक 3-3 ड्रीप बॉटल लग चुके हैं। दोनों मादा शावकों और मादा बाघिन मां रंभा को आइशोलेट किया गया है। मादा बाघिन मां रंभा को केज से अलग कर स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। आपको बता दें कि बीते अप्रैल 2022 में मां रंभा ने 4 शावकों को जन्म दिया था। 3 मादा और 1 नर शावक को रंभा ने जन्मा था। जन्म के 6 महीने बाद पर्यटक डिस्पले में शावकों को बाहर लाए गए थे।

घर में घुसा कबरबिज्जू, रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

कोरबा। कटघोरा ब्लाक के सुतर्रा निवासी विजय कुमार अग्रवाल के घर में रात को कबरबिज्जू घुस गया। जिसे देखकर परिवार के सदस्य कुछ देर के लिए डर गए। यह घटना करीब रात 12 के आसपास की है। परिजनों ने इसकी जानकारी रेस्क्यू टीम को दी, जिसने रात के समय रेस्क्यू करने में असमर्थता जताते हुए परिजनों को उक्त कमरे को बंद कर देने की सलाह देते हुए सुबह तक इंतजार करने कहा। सुबह रेस्क्यू टीम के सदस्य जितेन्द्र सारथी ने मौके पर पहुंचकर कबरबिज्जू को सुरक्षित बाहर निकाला। उसे रेस्क्यू करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। करीब एक घंटे की उछल कूद के बाद वह पकड़ में आया। जिसे वन विभाग की निगरानी में सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया।

सड़क हादसे में भाजपा नेता घायल

बालोद। गुरुर में आयोजित जिला कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने जा रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता अभिषेक शुक्ला और किशोरी साहू सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए हैं। अभिषेक शुक्ला के सिर और मुंह में गंभीर चोट आई है। फिलहाल दोनों की हालत खतर से बाहर बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों भाजपा नेता गुरुर में आयोजित जिला कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने जा रहे थे तभी गुरुर से बालोद की तरफ से तेज रफ्तार आ रही बोलेरो वाहन ने कार को सामने से टक्कर मार दी जिससे दोनों नेता बुरी तरह घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही 108 की टीम ने उन्हें तत्काल गुरु के जिला अस्पताल लाया गया और प्राथमिकी उपचार के बाद अभिषेक शुक्ला को बालोद के जिला अस्पताल में रेफर कर दिया गया है जहां उनकी हालत खतर से बाहर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला अस्पताल में जिला भाजपा प्रभारी मधुसूदन यादव सहित भाजपा के तमाम बड़े नेता पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।

नर्मदा महोत्सव में आज अनुज शर्मा की होगी धमाकेदार प्रस्तुति

खैरागढ़। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के नर्मदा मेला महोत्सव के द्वितीय दिवस 4 फरवरी को छालीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता अनुज शर्मा नर्मदा, चकनार आएंगे । छत्तीसगढ़ी फिल्मो के कलाकार पद्मश्री अनुज शाम के लोकमंच की धमाकेदार प्रस्तुति मांघ पुन्नी मेला नर्मदा में होगी।

इस अवसर पर महोत्सव स्थल में पहली बार अनुज के कार्यक्रम का आनंद उठाने भारी संख्या में गंडई, पंडरिया, साल्हेवारा, छुईखदान, अतरियारोड, उदयपुर और खैरागढ़ क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी अंचल से दर्शकों के आने का कयास लगाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सीमावर्ती जिला राजनादगांव, कबीरधाम, बेमेतरा, दुर्ग के साथ पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के दर्शक, श्रद्धालु और सम्बन्धी भारी संख्या में आएंगे।

नर्मदा मेला महोत्सव के दूसरे दिवस 4 फरवरी को पंचायत एवं कृषि माननीय मंत्री रविन्द्र चौबे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और खैरागढ़ की माननीय विधायक यशोदा नीलाम्बर वर्मा अध्यक्ष होंगे। दूसरे दिवस मेला स्थल पर कार्यक्रम की अंतिम तैयारी का जायजा लेने कलेक्टर डॉ. जगदीश सोनकर पहुंचे। उन्होंने मंचीय व्यवस्था का अवलोकन किया। अतिथियों के नर्मदा कुंड के दर्शन, मंदिर स्थल में प्रवेश और दर्शन के मार्ग तथा मंच तक पहुंचने के रूट का आयोजन समिति के साथ पूर्वाभ्यास कराया। महोत्सव के आयोजनकर्ता माँ नर्मदा धर्मार्थ सेवा समिति के अध्यक्ष बी. आर. सिन्हा, समस्त सदस्य, ग्राम पंचायत चकनार के सरपंच डोगेन्द्र सोरी, सभी पंच और ग्रामवासियों से आयोजन की रुपरेखा के बारे में कलेक्टर ने चर्चा कर अंतिम रूप देने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान जिला प्रशासन की ओर से संयुक्त कलेक्टर प्रकाश राजपूत, छुईखदान एस. डी.एम. रेणुका रात्रे, गंडई तहसीलदार अमरदीप अंचल, प्रभारी सीएमओ नगर पंचायत गंडई कुलदीप झा, लोकनिर्माण विभाग छुईखदान एसडीओ बी.एस. कण्डा, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी शिक्षा डॉ. के.वी. राव, विद्युत आपूर्ति से सी.एल. शर्मा, जनसम्पर्क प्रभारी डॉ. मकसूद एवं अन्य सम्बंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

इस दौरान डॉ. सोनकर ने केसीजी के विकास और समृद्धि की मनोकामना के साथ माँ नर्मदा और कुंड के दर्शन किये। आयोजन स्थल पर नर्मदा महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारी देखा और मंच पर बैठक व्यवस्था का जायजा लिया। इसके साथ कार्यक्रम के दौरान दर्शक दीर्घा में अतिथियों के बैठक व्यवस्था, प्रेस बैठक दीर्घा और आने वाले श्रद्धालुओं तथा दर्शकों की बैठक व्यवस्था का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कार्यसमिति की बैठक भाजपा कार्यालय में हुई

कोरबा। भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा की जिला कार्यसमिति बैठक भाजपा कार्यालय में आयोजित की गई । भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित जिला कार्यसमिति बैठक में विगत कार्यसमिति से आज तक हुए कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर योजना बनाई गई ।

जिला संगठन प्रभारी श्री श्याम बिहारी जयसवाल, जिला संगठनसह प्रभारी श्री गोपाल साहू एवं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया के आगामी कार्यक्रमों में जी जान से जुट जाएं । उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को कहा कि संकल्पित होकर कार्य करें, प्रदेश की जनता भूपेश बघेल की सरकार से ऊब चुकी है और आगामी चुनाव का इंतजार कर रही है । भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं कि अब जिम्मेदारी बनती है की प्रत्येक बूथ पर जाकर जनहित से जुड़े मुद्दों को समझें और लोगों के हित के लिए आंदोलन करें। इस महत्त्वपूर्ण बैठक में जिला संगठन प्रभारी श्यामबिहारी जायसवाल, जिला संगठन सह प्रभारी गोपाल साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह विधायक रामपुर ननकी राम कंवर, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री लखन लाल देवांगन, सरगुजा संगठन प्रभारी ज्योतिनंद दुबे, कटघोरा विधानसभा प्रभारी दिनेश सिंह, पाली तानाखार विधानसभा प्रभारी बृजेंद्र शुक्ला, रामपुर विधानसभा प्रभारी कैलाश साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक चावलानी, प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य जोगेश लांबा, पवन गर्ग, राजेन्द्र पांडे, महामंत्री द्वय संतोष देवांगन, टिकेश्वर राठिया एवं अपेक्षित पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

कांग्रेस पार्टी ने कैप्टन की पत्नी सांसद परनीत को किया सस्पेंड

नईदिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को अपनी लोकसभा सांसद परनीत कौर, जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पत्नी हैं, को भाजपा के पक्ष में कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित कर दिया। पार्टी ने कहा कि कांग्रेस प्रमुख को राज्य के कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग से शिकायत मिलने के बाद उन्हें अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति (डीएसी) द्वारा निष्कासित कर दिया गया था। पार्टी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कांग्रेस अध्यक्ष को अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, अध्यक्ष, पीसीसी पंजाब से एक शिकायत मिली है जिसमें आरोप लगाया गया है कि पटियाला से सांसद (लोकसभा) परनीत कौर भाजपा की मदद करने के लिए पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। पंजाब के कुछ अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी इस विचार को साझा करते हैं। शिकायत को आवश्यक कार्रवाई के लिए एआईसीसी की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति को भेजा गया था।

राउत ने आधारहीन आरोप पर राणे को कानूनी नोटिस भेजा

मुंबई। शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नारायण राणे को सार्वजनिक मंचों पर उनके खिलाफ तथ्यहीन आरोप लगाने के लिए कानूनी नोटिस भेजा है। राउत ने कहा कि राणे को उनके खिलाफ लगाए गए अपने आरोप साबित करने चाहिए या फिर उनसे माफी मांगनी चाहिए। राउत ने ट्वीट किया, नारायण राणे मेरे और शिवसेना के खिलाफ निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्हें अपना आरोप साबित करना चाहिए या फिर माफी मांगनी चाहिए। मैंने अपने वकील सार्थक शेट्टी के जरिए उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। जय महाराष्ट्र। राणे महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके धड़े वाली शिवसेना के कटु आलोचकों में से एक हैं। राणे एवं राउत के बीच का वाकयुद्ध और तीखा हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री राणे पहले शिवसेना में ही थे और उन्होंने उद्धव ठाकरे के साथ मतभेद होने के बाद पार्टी छोड़ दी थी।

यूपी विधान परिषद चुनाव में भाजपा ने जीतीं 5 में से 4 सीटें

लखनऊ। यूपी एमएलसी चुनाव 2023 के नतीजे आ चुके हैं। सामने आए नतीजों मे जहां भाजपा का डंका बजा है वहीं समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। भाजपा के प्रत्याशियों ने 4 सीटों पर जीत दर्ज की है। जबकि एक सीट निर्दलीय के खाते में गया है। उल्लेखनीय बात है कि समाजवादी पार्टी के खाते में एक भी सीट नहीं गई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रत्याशियों को जीत की बधाई दी है। भाजपा ने स्नातक कोटे की गोरखपुर-फैजाबाद, बरेली-मुरादाबाद, कानपुर-उन्नाव सीट और शिक्षक कोटे की झांसी-इलाहाबाद सीट पर जीत दर्ज की है। जबकि कानपुर-उन्नाव शिक्षक कोटे की एमएलसी सीट पर निर्दलीय राज बहादुर सिंह चंदेल विजयी हुए। वहीं, इन चुनावों में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी का खाता भी नहीं खुला। स्नातक कोटे की गोरखपुर-फैजाबाद सीट पर भाजपा के देवेंद्र प्रताप सिंह ने जीत दर्ज की है। बरेली-मुरादाबाद सीट भी भाजपा के कब्जे में आई। यहां पर जयपाल सिंह व्यस्त ने तीसरी बार जीत दर्ज की है।

सपा नेता मौर्य के खिलाफ ग्वालियर में एफआईआर दर्ज

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हिंदू महासभा की शिकायत पर 'रामचरितमानस' को लेकर टिप्पणी करने के आरोप में उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। समाजवादी पार्टी के नेता मौर्य के अलावा प्राथमिकी में आठ अन्य लोगों के नाम भी दर्ज किए गए हैं। प्राथमिकी की प्रति के अनुसार, मौर्य और अन्य के खिलाफ बृहस्पतिवार को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 153 ए (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास स्थान, आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और सद्भाव बनाए रखने के प्रतिकूल कार्य करना) और 295 (किसी भी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। ग्वालियर के पुलिस अधीक्षक ने कहा, हिंदू महासभा के आवेदन पर यह मामला (मौर्य के खिलाफ) कानूनी कार्रवाई के लिए अपराध शाखा को सौंपा गया है।

मायावती का रामचरितमानस को लेकर अखिलेश पर हमला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में रामचरितमानस पर दिए गए बयान के बाद से विवाद लगातार गहराता जा रहा है। अब बसपा सुप्रीमो मायावती ने रामचरितमानस प्रकरण को लेकर हमला बोला है। मायावती भी अब इस मुद्दे पर प्रहार करने से पीछे नहीं हटी है। उन्होंने कहा कि देश में कमजोर और उपेक्षित वर्गों के लिए रामचरित मानस व मनुस्मृति ग्रंथ नहीं है। उनके लिए ग्रंथ भारतीय संविधान है। उन्होंने आगे कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने इनको शूद्रों की नहीं बल्कि एससी, एसटी व ओबीसी की संज्ञा दी है। अत: इन्हें शूद्र कहकर सपा इनका अपमान न करे तथा न ही संविधान की अवहेलना करे। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, देश के अन्य राज्यों की तरह यूपी में भी दलितों, आदिवासियों व ओबीसी समाज के शोषण, अन्याय, नाइन्साफी तथा इन वर्गों में जन्मे महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों आदि की उपेक्षा एवं तिरस्कार के मामले में कांग्रेस, भाजपा व समाजवादी पार्टी भी कोई किसी से कम नहीं।

अदाणी मामले पर लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने हंगामा किया

दोनों सदन सोमवार तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली। संसद में बजट सत्र का आज चौथा दिन है। आज एक बार फिर से अदाणी मामले पर दोनों सदनों में विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया जिसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इसके अलावा आज कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बैठक बुलाई थी। इस बैठक में सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा की गई।

राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने आज सुबह कहा कि संसद लोकतंत्र का सार है। संसद लोकतंत्र के उत्तर में स्थित सितारा है। यह लोगों की आकांक्षाओं और सपनों को साकार करने के लिए चर्चा और विचार-विमर्श का स्थान है न कि अशांति का स्थान। हमें नियमों के अनुसार काम करने की आवश्यकता है। अदाणी के मसले पर विपक्ष के भारी हंगामे के चलते राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही सोमवार 6 फरवरी सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री मूल रूप से चीन से प्रेरित: महेश जेठमलानी

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री पर वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सांसद महेश जेठमलानी ने कहा कि यह दिख रहा है कि बीबीसी चीनी स्वामित्व वाली कंपनियों के माध्यम से पूरी तरह से चीन के साथ आर्थिक रूप से जुड़ा है। डॉक्यूमेंट्री मूल रूप से चीन से प्रेरित है, उनके पास भारत विरोधी प्रचार प्रसार का एक लंबा इतिहास है।

अदाणी मसले पर विपक्षी दल चर्चा चाहते हैं: शशि थरूर

थरूर ने कहा कि विपक्षी दल चाहते हैं कि जो स्टॉक मार्केट गिर रहे हैं उसपर चर्चा हो, जनता का पैसा एलआईसी और अन्य सरकारी संस्थानों में है। उन्होंने चीन, महंगाई, बेरोज़गारी पर चर्चा नहीं होने दी। जिस भी मुद्दे पर उन्हें लगता है कि वे शर्मिंदा होंगे उस पर चर्चा नहीं होने देते।

अडाणी स्टॉक क्रैश से सरकार का कोई लेना देना नहीं : प्रह्लाद जोशी

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि अडानी स्टॉक क्रैश से सरकार का कोई लेना देना नहीं है। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा प्राथमिकता रहती है। विपक्ष के पास कोई और मुद्दा नहीं है। बताते चलें कि लोकसभा में शुक्रवार को कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों के सदस्यों ने अडाणी समूह से जुड़े मामले को लेकर भारी हंगामा किया। विपक्षी सदस्यों के शोर शराबे के कारण सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी।

अडाणी मामले में जांच के लिए जेपीसी गठित करने की मांग

लोकसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे शुरू हुई तो कांग्रेस, द्रमुक समेत विपक्षी दलों के सदस्य आसन के पास आकर नारेबाजी करने लगे। विपक्षी सदस्य अडाणी समूह पर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट और उससे संबंधित घटनाक्रम पर जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित करने और इस मुद्दे पर संसद में चर्चा कराने की मांग कर रहे हैं। हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने कुछ ही मिनट बाद कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

एसबीआई और एलआईसी के निवेश पर निर्मला सीतारमण ने दिया जवाब

नई दिल्ली। भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एलआईसी ने भी अडाणी समूह में निवेश किया हुआ है। अडाणी समूह की कंपनियों की मौजूदा हालत को देखते हुए ये सवाल उठ रहा है कि जनता के जिन पैसों का एसबीआई और एलआईसी ने अडाणी समूह में निवेश किया है, क्या वह सुरक्षित है? लगातार उठ रहे इन सवालों का अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जवाब दिया है। एक साक्षात्कार में निर्मला सीतारमण ने कहा, एसबीआई और एलआईसी दोनों ने विस्तृत बयान जारी किए है। उन्होंने कहा है कि वे अपने निवेश के मुकाबले मुनाफे में हैं, जो मेरी समझ से सीमा के भीतर है। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र कम एनपीए के साथ आज के समय में एक आरामदायक स्तर पर है।

साक्षात्कार के दौरान वित्तमंत्री ने हाल ही में पेश किए गए बजट को लेकर भी बात की। निर्मला सीतारमण ने कहा, तमाम वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद हम आर्थिक सुधारों को अपने हाथ से जाने नहीं देना चाहते थे। पीएम मोदी से लगातार चर्चा होती रही। बजट से पहले सबकी राय ली गई और सभी क्षेत्रों के लोगों से बात की गई।

बता दें कि बीते 1 फरवकी को निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट पेश किया था। बजट में आम आदमी और मध्यम वर्ग बड़ी राहत देते हुए नई कर व्यवस्था के तहत 7 लाख तक की सालाना आय को टैक्स फ्री करने की घोषणा की। इसके अलावा कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि किसानों को सरकार अब ज्यादा कर्ज देगी और कृषि क्षेत्र के लिए कर्ज के लक्ष्य को बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये किया जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष ने अगरतला में जनसभा को संबोधित किया

डबल इंजन की सरकार ने त्रिपुरा की तकदीर और तस्वीर बदली : नड्डा

अगरतला। त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने पूरी तरह से कमर कस ली है। जीत के लिए भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को मैदान में उतारना शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत शुक्रवार से हो गई है। भाजपा अध्यक्ष जेपी. नड्डा ने अगरतला में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने त्रिपुरा की तकदीर और तस्वीर को बदल दिया है। इस रैली में भारी संख्या में आपका जुटना ये संदेश दे रहा है कि त्रिपुरा विकास के पथ पर आगे बढ़ चुका है और अब ये नहीं रुकेगा। नड्डा ने कहा कि 9 साल पहले भारत कैसा था ? घुटने टेकने वाला भारत था, फैसला नहीं लेने वाला भारत था, भ्रष्टाचारी देशों में शामिल था, आए दिन भ्रष्टाचार हुआ करते थे लेकिन पिछले 9 साल में ये आकांक्षाओं का भारत बन गया है। भारत अब दुनिया में खुद को स्थापित करते हुए मज़बूत राष्ट्र दिखता है।

विपक्ष पर करारा प्रहार

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के शासन में, कम्युनिस्टों के शासन में हमेशा भ्रष्टाचार, हिंसा, धोखाधड़ी और न जाने क्या-क्या होता था। वे दोनों अब एक साथ खड़े हो गये हैं, दोनों भ्रष्ट हैं। लेकिन त्रिपुरा को भ्रष्टाचार और कुशासन के चंगुल से बचाने के लिए भाजपा आगे आयी है। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले, त्रिपुरा उग्रवाद, हिंसा, बंद, हड़ताल और आतंकवाद की भूमि थी। लेकिन अब भाजपा के शासन में त्रिपुरा शांति, विकास और समृद्धि वाला राज्य बन गया है।

आदिवासी आबादी को सशक्त बनाने में पीएम मोदी ने अहम भूमिका

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि पीएम आवास योजना से माध्यम से गरीब लोगों को आवास की सुविधा प्रदान की गयी है। देश की आदिवासी आबादी को सशक्त बनाने में पीएम मोदी ने अहम भूमिका निभायी है। केंद्र सरकार समाज के हर वर्ग का ध्यान रखती रही है। यह बजट भारत को एक विकसित देश बनने में मदद करेगा और त्रिपुरा राज्य के समग्र विकास के अवसर प्रदान करेगा। केंद्रीय बजट 2023-24, भारत के विकास का खाका है 'अमृत काल' का पहला बजट; यह देश की अर्थव्यवस्था को वास्तव में समावेशी और सशक्त बनाने की आकांक्षाओं और ढांचे से भरा है। यह बजट महिला सशक्तिकरण के लिए, युवाओं को अवसर प्रदान करने के लिए, समाज के कमजोर वर्गों को मजबूत करने के लिए एक आधार प्रदान करता है; यह लोगों की जरूरतों का ख्याल रखने वाला बजट है, जिसमें 'किसी को पीछे न छूटने' की दिशा में आगे बढ़ाया गया है।

जेपी नड्डा ने कहा कि यह अब पुराना त्रिपुरा नहीं रहा, आकांक्षाओं और उपलब्धियों से भरा 'नया त्रिपुरा' है। डबल इंजन की सरकार ने वाकई राज्य की तस्वीर बदल दी है। नरेंद्र मोदी जी नॉर्थ-ईस्ट के संरक्षक रहे हैं और वे हमेशा इस क्षेत्र के विकास के लिए चिंतित रहे हैं। भाजपा के राज में त्रिपुरा समृद्ध हुआ है; यात्रा जारी रहेगी और राज्य अब अधिक से अधिक समृद्धि को गले लगाएगा।

खेल
प्रमुख समाचार

2007 में विश्वकप जिताने वाले जोगिंदर शर्मा ने लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारत को 2007 में टी20 विश्व कप जिताने वाले तेज गेंदबाज जोगिंदर शर्मा ने संन्यास ले लिया है। उन्होंने शुक्रवार को ट्वीट कर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। 39 साल के जोगिंदर पिछले काफी समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहे हैं। 2007 में ही उन्होंने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। तब टी20 विश्व कप में जोगिंदर कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के मुख्य हथियारों में से एक रहे थे। जोगिंदर ने बीसीसीआई सचिव जय शाह को चिट्ठी लिखकर संन्यास की घोषणा की।

जोगिंदर ने चिट्ठी में बीसीसीआई, हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन, चेन्नई सुपर किंग्स और हरियाणा सरकार का शुक्रिया अदा किया। साथ ही अपने फैन्स, परिवार, दोस्तों को भी धन्यवाद कहा, जिन्होंने करियर के उतार-चढ़ाव में उनका साथ दिया। जोगिंदर ने कहा कि वह अब क्रिकेट की दुनिया में अन्य विकल्प तलाशेंगे। उन्होंने वह जीवन के नए चैप्टर की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। जोगिंदर ने कहा- मैं अपने सभी साथी और भारतीय क्रिकेट को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं।

2007 टी20 विश्व कप से पहले तक कोई जोगिंदर को जानता तक नहीं था, जबकि वह टीम इंडिया के लिए 2004 में ही वनडे डेब्यू कर चुके थे। जोगिंदर ने बांग्लादेश के खिलाफ 23 दिसंबर 2004 को डेब्यू किया था। उन्होंने अपना आखिरी वनडे 24 जनवरी 2007 को वेस्टइंडीज के खिलाफ बाराबाती स्टेडियम में खेला। वहीं, टी20 डेब्यू जोगिंदर ने 19 सितंबर 2007 को इंग्लैंड के खिलाफ किंग्समीड में किया था। वहीं, भारत के लिए आखिरी टी20 उन्होंने 24 सितंबर 2007 को पाकिस्तान के खिलाफ वांडरर्स स्टेडियम में खेला था। यह टी20 विश्व कप का फाइनल मैच था।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 900 अंक चढ़ा निफ्टी 243 अंक ऊपर

नई दिल्ली। लगातार पांचवें दिन घरेलू शेयर बाजार का सेंसेक्स इंडेक्स हरे निशान पर बंद हुआ। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 909.64 अंकों की बढ़त के साथ 60,841.88 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी 243.65 अंकों की बढ़त के साथ 17,854.05 के स्तर पर बंद हुआ जबकि निफ्टी बैंक 830 अंक मजबूत होकर 41,500 के लेवल पर बंद हुआ। टाइटन और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में क्रमश: सात प्रतिशत और छह प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। शुक्रवार को अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में निचले स्तरों से 55 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई। इसके शेयर 1586 रुपये के स्तर पर बंद हुए। दिसंबर तिमाही के मजबूत नतीजों के बाद टाइटन के शेयरों में सात फीसदी की मजबूती दर्ज की गई। बजाज फाइनेंस और बजाज फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में भी पांच-पांच प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली।

दुनिया के शीर्ष-20 अमीरों की सूची से बाहर हुए अदाणी

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद से अब तक दिग्गज उद्योगपति गौतम अदाणी की नेट वर्थ को बड़ा झटका लगा है। जहां कुछ समय पहले तक वे दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर काबिज थे अब वे टॉप 20 में भी नहीं है। ब्लूमबर्ग की बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार, गौतम अदाणी टॉप 20 अमीरों लिस्ट से बाहर होकर फिलहाल 22वें नंबर पर पहुंच गए हैं। गौतम अदाणी को एक ही दिन में करीब 10 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। वहीं दूसरी ओर फेसबुक के संस्थापक जुकरबर्ग की संपत्ति में 12.5 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है और वे दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सितंबर में अदाणी की नेटवर्थ 155.7 अरब डॉलर थी। सोमवार को नेटवर्थ 92.7 अरब डॉलर रही।

भारत में बनेंगे सैमसंग के नए प्रीमियम स्मार्टफोन

नई दिल्ली। कोरियाई स्मार्ट डिवाइस निर्माता सैमसंग अपने नए फ्लैगशिप स्मार्टफोन को भारत में बनाने वाली है। कंपनी ने कहा कि वह स्थानीय बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रीमियम गैलेक्सी एस23 स्मार्टफोन भारत में बनाएगी। बता दें कि सैमसंग ने इसी हफ्ते अपनी फ्लैगशिप स्मार्टफोन सीरीज सैमसंग गैलेक्सी एस23 सीरीज को भारत में लॉन्च किया है। इस सीरीज के तहत तीन प्रीमियम फोन गैलेक्सी एस23 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस23 और गैलेक्सी एस23 प्लस को लॉन्च किया गया है। गैलेक्सी एस23 को 75 हजार रुपये की शुरुआती कीमत पर पेश किया गया है। फिलहाल गैलेक्सी एस सीरीज के स्मार्टफोन सैमसंग की वियतनाम फैक्ट्री में बनाए जा रहे हैं और कंपनी इन्हें भारत में बिक्री के लिए आयात करती है। सैमसंग ने एक बयान में कहा भारत में बेचे जाने वाले सभी गैलेक्सी एस23 स्मार्टफोन कंपनी की नोएडा फैक्ट्री में निर्मित किए जाएंगे।

अमूल दूध 3 रुपए महंगा हुआ

नईदिल्ली। गुजरात डेयरी सहकारी अमूल ने शुक्रवार से प्रभावी ताजा दूध पर 3 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। इस संशोधन के बाद अमूल गोल्ड की कीमत 66 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। अमूल ताजा ने गुरुवार को एक बयान में कहा, अमूल ताजा 54 रुपये प्रति लीटर, अमूल गाय का दूध 56 रुपये प्रति लीटर और अमूल ए2 भैंस का दूध अब 70 रुपये प्रति लीटर होगा। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन, जो अमूल ब्रांड के तहत अपने डेयरी उत्पादों का विपणन करता है, ने पिछली बार अक्टूबर में अपने गोल्ड, ताज़ा और शक्ति दूध ब्रांडों की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की थी। मार्केटिंग फेडरेशन ने एक बयान में कहा, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि अमूल पाउच दूध (सभी वेरिएंट) की कीमत 3 फरवरी से बढ़ा दी गई है। कीमतों में वृद्धि दूध के संचालन और उत्पादन की कुल लागत में वृद्धि के कारण की गई थी।

इकॉनमी की ड्राइविंग सीट पर आई सरकार

आनंद प्रधान

जैसा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वादा किया था, उनका पांचवां और मोदी सरकार का आखिरी पूर्ण बजट पिछले दो बजटों की निरंतरता को जारी रखता है। देर से ही सही, वित्त मंत्री ने सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय की निर्णायक भूमिका को माना है। वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में पूंजीगत व्यय (केपेक्स) में पिछले साल की तरह एक बार फिर 33 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए उसे 10 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव किया है। इस तरह सरकार एक बार फिर अर्थव्यवस्था की ड्राइविंग सीट पर आ गई है।

लेकिन यह फैसला उस नव-उदारवादी आर्थिक सैद्धांतिकी के उलट है, जो सरकार को अर्थव्यवस्था की ड्राइविंग सीट छोड़ने, उसकी भूमिका सीमित करने (न्यूनतम सरकार) और निजी क्षेत्र को कमान देने की वकालत करती रही है। यह किसी से छुपा नहीं है कि नव-उदारवादी आर्थिक सैद्धांतिकी पिछले कई दशकों हर रंग की सरकारों की आधिकारिक अर्थनीति रही है। हालांकि, वित्त मंत्री इसे स्वीकार नहीं करेंगीं, लेकिन उन्होंने मजबूरी में ही सही, एक हद तक इसके विपरीत जाने का साहस दिखाया है। पूंजीगत व्यय में भारी वृद्धि इस समय कई संकटों में फंसी वैश्विक अर्थव्यवस्था के असर से लड़खड़ाती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा सहारा है। इस सचाई को इस साल के आर्थिक सर्वेक्षण ने भी माना है।

वैसे, वित्त मंत्री कुछ और महत्वाकांक्षी हो सकती थीं। वह चाहतीं तो पूंजीगत व्यय में जितना जोर फिजिकल (भौतिक) इन्फ्रास्ट्रक्चर खासकर सड़क और रेलवे आदि पर दिया गया है, उतना ही सामाजिक क्षेत्र के इन्फ्रास्ट्रक्चर यानी शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी दे सकती थीं। इसके साथ कृषि में भी

पूंजीगत सार्वजनिक व्यय में भारी वृद्धि की जरूरत थी, जो एक बार फिर उपेक्षित रह गया। इसकी वजह यह है कि वह नव-उदारवादी आर्थिक सैद्धांतिकी के पैरोकारों खासकर वैश्विक रेटिंग एजेंसियों, विदेशी संस्थागत निवेशकों, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष को नाराज भी नहीं करना चाहतीं, जो सबसे ज्यादा जोर राजकोषीय घाटे को काबू में रखने पर देते रहे हैं। यही कारण है कि वित्त मंत्री ने राजकोषीय घाटे को काबू में रखने की प्राथमिकता को भी छोड़ा नहीं है। उन्होंने न सिर्फ चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को बजट अनुमान जीडीपी के 6.4 फीसदी के अंदर रखने का दावा किया है बल्कि अगले वित्तीय वर्ष में उसमें जीडीपी के 0.5 फीसदी की और कटौती करते हुए उसे 5.9 फीसदी तक लाने का एलान किया है। यह और बात है कि वह चालू वित्त वर्ष (2022-23) में बजट अनुमान की तुलना में संशोधित बजट अनुमान में 2.42 लाख करोड़ रूपये ज्यादा खर्चने के बावजूद राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 6.4 प्रतिशत तक रखने में इसलिए कामयाब हो पाई क्योंकि नॉमिनल जीडीपी, मुद्रास्फीति में उछाल के कारण उम्मीद से ज्यादा बढ़कर 15.4 फीसदी पहुंच गया।

इसी तरह अगले वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे में और कटौती करने और उसे जीडीपी के 5.9 फीसदी तक सीमित रखने के दबाव में वित्त मंत्री ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों और स्कीमों के बजट आवंटन में या तो कटौती कर दी है या बहुत मामूली बढ़ोतरी की है। उदाहरण के लिए, महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में वर्ष 2021-22 में 98,648 करोड़ रुपये खर्च हुए थे और चालू वित्त वर्ष के संशोधित बजट में इस पर 89,400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है, लेकिन अगले वित्त वर्ष के बजट में इसके लिए सिर्फ 60,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह चालू वित्त वर्ष के संशोधित बजट अनुमान की तुलना में 32.8 फीसदी कम है।

शिक्षा मंत्रालय (स्कूली और उच्च शिक्षा सहित) के लिए अगले वित्त वर्ष में कुल 1,12,898 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान की तुलना में सिर्फ 8.26 फीसदी अधिक है। शिक्षा पर केंद्र और राज्य सरकारों का कुल खर्च आज भी जीडीपी के 3 फीसदी से कुछ ही ज्यादा है।

वे कौन हैं, जो भाजपा को वोट नहीं देते

अजय सेठिया

राजनीति शतरंज है और मोदी इस शतरंज के अच्छे खिलाड़ी हैं। जब से भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक खत्म हुई है मुसलमानों के पसमांदा और बोहरा समुदाय की चर्चा हो रही है। मोदी ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे इन दोनों वर्गों तक पहुंचे, वे वोट भले ही ना दें, लेकिन भाजपा के कार्यक्रमों और योजनाओं को समझें। अब भाजपा के कार्यकर्ता उन तक पहुंचें या न पहुंचें, मीडिया मोदी का संदेश ले कर उनके पास पहुंच रहा है। और जो मोदी चाहते थे, वह दिखने लगा है। इन दोनों समुदायों का मोदी के प्रति साफ्ट कार्नर बन गया है। जिस तरह सेक्यूलर दल पिछले पांच छह दशकों से जातिवाद की राजनीति करके हिन्दुओं में फूट डालने में कामयाब थे, उसी तरह मोदी ने उन्हीं के हथियार से उन्हीं के मुस्लिम वोट बैंक में दरार पैदा करनी शुरू कर दी है।

भारतीय जनता पार्टी की डेढ़ दिन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से सिर्फ दो बातें निकली। पहली यह कि 2023 में उन सभी राज्यों में एनडीए की सरकार बनानी है, जहां चुनाव होने हैं, और लोकसभा में खुद के बूते 350 और एनडीए की 400 सीटें हासिल करनी हैं। जिन राज्यों में चुनाव हैं उनमें राजस्थान, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकारें हैं और तेलंगाना में बीआरएस की सरकार है। दूसरी यह कि भाजपा कार्यकर्ताओं को उन वोटरों के पास भी जाना है, जो भाजपा को वोट नहीं देते। तो वह सिर्फ मुसलमानों की बात नहीं कर रहे थे। वे हिन्दुओं के भी उन वर्गों की बात कर रहे थे, जो अब तक भाजपा को अछूत समझे हुए हैं। नरेंद्र मोदी ने जब यह बात कही तो उनके दिमाग में उस समय खास तौर पर बिहार चल रहा होगा। नरेंद्र मोदी हिमाचल प्रदेश की हार से उतना हताश नहीं हैं, जितना नीतीश कुमार के धोखा देने से निराश हैं। क्योंकि उनके साथ समझौता करने के लिए 2019 में भाजपा ने उपेन्द्र कुशवाहा से भी संबंध तोड़े और खुद भी कम सीटों पर चुनाव लड़ कर अपनी पांच सीटों का बलिदान किया था। उपेन्द्र कुशवाहा उस समय अपनी अलग पार्टी के साथ एनडीए में थे। मोदी उस समय बिहार के साथ यूपी की बात भी कर रहे थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में यूपी में भी भाजपा की सीटें घटीं थी, 2022 के विधानसभा चुनाव में भी सीटें और वोट प्रतिशत घटा है। तो यूपी और बिहार में ऐसे तीन वर्ग हैं, जो भाजपा को वोट नहीं देते। मैं यह नहीं कहता कि इन तीनों वर्गों से भाजपा को बिलकुल वोट नहीं मिलता। मिलता है पर थोड़ा मिलता है। ये तीन वर्ग इन दोनों बड़े राज्यों में विपक्ष की ताकत हैं। हालांकि यूपी में भाजपा ने 2014 से वहां के तीनों वर्गों में से एक वर्ग में अच्छी खासी सेंध लगा कर सफलता पा ली है, लेकिन बिहार में अभी भी वह काफी पीछे है। बिहार में जब तक इन तीन में से दो वर्गों में भाजपा के पाँव नहीं जमेंगे, तब तक अपने बूते पर सरकार बनाना और लोकसभा में यूपी की तरह 42 में से 30-32 तक सीटें हासिल करना असंभव है। वे तीन समुदाय कौन कौन से हैं, जिनका इन दोनों राज्यों में अच्छा खासा प्रभाव है। ये हैं, यादव, दलित (यूपी में जाटव) और मुस्लिम। उत्तर प्रदेश में कभी समाजवादी पार्टी के साथ इन तीन में से दो वर्ग यानी यादव और मुस्लिम एकजुट थे। मुलायम सिंह का मुस्लिम यादव गठबंधन सर चढ़ कर बोल रहा था। मुस्लिम मुलायम से निराश हुए तो मायावती के साथ चले गए। तब वहां मायावती का मुस्लिम जाटव का गठबंधन सर चढ़ कर बोला। वैसे तो यूपी का पूरा दलित समुदाय मायावती के साथ रहता था, लेकिन उनकी अपनी जाति का जाटव सौ फीसदी मायावती के साथ रहता है। भाजपा ने यूपी में दो बड़े काम किए, दलितों में से गैर जाटवों को टारगेट किया और यादवों को संगठन में हिस्सेदारी दे कर आगे बढाया। नतीजतन मायावती और मुलायम सिंह दोनों के वोट बैंक में सेंध लगी और भाजपा को सफलता मिलनी शुरू हुई।

राजस्थान में नेताओं की गुटबाजी

विनोद पाठक

वैसे तो नौ राज्यों में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन राजनीति का असली अखाड़ा इस समय राजस्थान बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आसींद (भीलवाड़ा) में भगवान देवनारायण की जयंती पर एक बड़े कार्यक्रम में शामिल होकर राज्य के 7ब गुर्जर वोटरों को साधने की कोशिश की है। पार्टी सिंबल कमल का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि आपका-हमारा गहरा नाता, भगवान देवनारायण का जन्म कमल पर हुआ और हमारी पैदाइश कमल से है। हालांकि, जैसी उम्मीद थी, उन्होंने देवनारायण कॉरिडोर की घोषणा नहीं की। पिछले चुनाव में सचिन पायलट के कारण गुर्जर, कांग्रेस की ओर चले गए थे, लेकिन इस बार भाजपा को उम्मीद है कि वो पुन: पार्टी का रुख करेंगे। इसी के साथ राजस्थान में चुनाव का बिगुल पूरी तरह बज गया है।

राजस्थान में पिछले पांच चुनावों से यह परंपरा चली आ रही है कि एक बार कांग्रेस सत्ता में रहती है और एक बार भाजपा। शायद यही कारण है कि विपक्षी भाजपा को इस बार भरोसा है कि वह पुन: सत्ता में इसी फार्मूले के सहारे आ जाएगी। सत्ताधारी कांग्रेस, गुटों में बंटी हुई है, लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार दावा कर रहे हैं कि सरकार रिपीट होगी। अभी हाल में उन्होंने 156 सीटें लाने का बड़ा दावा कर डाला है। कांग्रेस, भाजपा के अलावा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के सुप्रीमो व नागौर से लोकसभा सांसद हनुमान बेनीवाल भी पश्चिमी राजस्थान में ताल ठोक रहे हैं तो आम आदमी पार्टी मैदान में उतरने को तैयार है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की नजरें भी उत्तर प्रदेश और हरियाणा से लगती सीटों पर है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई थी और तब चुनाव सचिन पायलट के प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए लड़ा गया था। 21 सीटों से पार्टी बढ़कर 100 सीटों पर पहुंची थी और साधारण बहुमत के साथ सरकार बनाई थी। तब कुछ निर्दलीयों ने सरकार को समर्थन दिया, लेकिन कुर्सी के असली दावेदार सचिन पायलट के बजाय अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बनाया गया। तभी से पार्टी दो गुटों में बंटी हुई है। एक गुट मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ, तो दूसरा सचिन पायलट के। कोरोना महामारी के दौरान भी सरकार में बगावत हो गई थी और तब सचिन पायलट अपने गुट के 19 विधायकों के साथ दिल्ली में डेरा डाल रहे थे। स्थिति यहां तक पहुंच गई थी कि कांग्रेस को अपने विधायकों को होटल में रखना पड़ा था। उस समय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट के लिए नाकारा-निकम्मा जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। बगावत के समय सचिन पायलट उप मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश अध्यक्ष भी थे। पार्टी ने उन्हें दोनों पदों से हटा दिया था। उनके साथ गए मंत्रियों को हटा दिया था। सचिन लौटे, लेकिन उन्हें पुन: कोई पद नहीं मिला। हालांकि, उनके साथ बगावत करने वाले रमेश मीणा, विश्वेंद्र सिंह जैसे नेताओं को पुन: मंत्री बना दिया गया। उस समय कांग्रेस संगठन और सरकार में जो दरार थी, वह अब खाई बन चुकी है। सचिन पायलट खुलकर सरकार के खिलाफ सभाओं में बोल रहे हैं। मुख्यमंत्री का नाम तो नहीं ले रहे हैं, लेकिन उनका पूरा हमला अशोक गहलोत के ऊपर है। धीरे-धीरे सचिन पायलट का समर्थन भी बढ़ रहा है और अशोक गहलोत से नाराज नेता उनके साथ आ रहे हैं। इनमें नया नाम हरीश चौधरी का है, जो अशोक गहलोत सरकार में मंत्री रहे हैं और उनके पास पंजाब का प्रभार है, लेकिन इन सबसे अशोक गहलोत बिल्कुल बेफिक्र नजर आ रहे हैं। वह बजट की तैयारियों में लगे हैं। हालांकि, दबी जुबान में कांग्रेसी नेता यह कह रहे हैं कि दोनों गुटों की तनातनी में नुकसान पार्टी को ही होगा। सरकार को इस विग्रह का नुकसान उठाना पड़ेगा।

दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी में भी नेतृत्व को लेकर बहुत सुखद स्थिति नहीं कही जा सकती है। पार्टी अब तक किसी भी एक नेता को प्रोजेक्ट करने से बचती चली आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, जिन्हें कुछ समय से साइडलाइन किया गया था, वह दोबारा पिक्चर में दिखने लगी हैं। दो-तीन दिन पहले ही दो साल बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय के पोस्टर में उनकी वापसी हुई है। वसुंधरा विरोधी गुट में शामिल सतीश पूनिया प्रदेश अध्यक्ष हैं, उनका कार्यकाल समाप्त हो गया है, लेकिन कार्यकाल बढ़ेगा या नया अध्यक्ष आएगा, इस पर अभी असमंजस कायम है। जोधपुर से सांसद व केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कोटा सांसद व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, सतीश पूनिया जैसे कई नेताओं के नाम मुख्यमंत्री के लिए चलाए जाते हैं। हालांकि, पार्टी बार-बार दोहरा रही है कि चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही लड़ा जाएगा। इसकी बड़ी वजह है कि पार्टी अभी से किसी नाम की घोषणा करके गुटबाजी को और अधिक नहीं बढ़ाना चाहती है।

भाजपा को वापसी की उम्मीद

भाजपा को उम्मीद भी है कि सत्ता में उसकी वापसी होगी और वर्ष 2013 जैसे चुनाव का करिश्मा दोहराया जाएगा, तब पार्टी की 163 सीटें आई थीं और कांग्रेस 21 सीटों पर सिमट गई थी, लेकिन इस बार जिस तरह से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने योजनाओं की बारिश की है और सभी वर्गों को खुश करने की कोशिश है। उनकी सौगातें अभी भी जारी हैं। 10 फरवरी को राज्य के बजट में और भी घोषणाएं संभव हैं। पुरानी पेंशन स्कीम का उनका दांव हिमाचल प्रदेश में सफल रहा है। ऐसे में भाजपा थोड़ा सतर्क भी नजर आ रही है। यदि भाजपा यूं ही गुटबाजी करती रही तो बाजी हाथ से फिसल सकती है।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के हनुमान बेनीवाल लगातार प्रदेश में दौरे कर रहे हैं। खासकर पश्चिमी राजस्थान की जाट बाहुल्य सीटों पर उनकी नजर है। पिछले दिनों उन्होंने सचिन पायलट और भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा को साथ आने का न्योता दे डाला था। इसके पीछे जाट, गुर्जर, मीणा समीकरण बताया गया। हनुमान ने तो यहां तक दावा कर दिया कि अगर तीनों साथ आ जाएं तो राजस्थान की 200 में से 140 सीटें यह गठबंधन ला सकता है। हनुमान भले बड़े दावे करें, लेकिन तीनों का साथ आना आसान नहीं है। खासकर किरोड़ी लाल मीणा फिलहाल भाजपा से अलग होंगे, यह नजर नहीं आ रहा। उन्हें मोदी कैबिनेट के आगामी फेरबदल में मंत्री पद मिलने की उम्मीद है। सचिन पायलट का रुख क्या रहेगा?

यह देखना होगा, क्योंकि जो स्थिति उनकी कांग्रेस में बनी हुई है, यह भी माना जा रहा है कि चुनाव से पहले संभवत: वह कोई अलग रास्ता पकड़ सकते हैं। जहां तक आम आदमी पार्टी की बात है तो पार्टी कभी सक्रिय तो कभी निष्क्रिय नजर आती है। वह अभी ग्राउंड पर नहीं दिख रही है। उसकी नजर कांग्रेस और भाजपा के बागी नेताओं पर टिकी है। इसके अलावा बहुजन समाज पार्टी, जो हर चुनाव में 4 से 6 सीटें ले आती है, उसके लिए भी माना जा रहा है कि चुनाव से पहले राज्य में बहुजन समाज पार्टी की सक्रियता बढ़ेगी और दोबारा से पार्टी कुछ सीटें जरूर लेकर आएगी। अब यह पूरी तरह तय है कि भीलवाड़ा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कदम पड़ते ही राजस्थान पूरी तरह चुनावी मोड में आ जाएगा। राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां एकाएक और तेज हो जाएंगी। अगले कुछ महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या गठबंधन बनते हैं? कौन सा नेता, किस गुट में जाता है? सरकार बदलने का फार्मूला कायम रहता है या अशोक गहलोत की जादूगरी काम आती है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

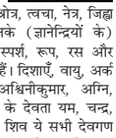

पैङ्गलोपनिषद् (भाग-4)

गतांक से आगे...

इसके पश्चात् अपञ्चीकृत महाभूतों के रजोगुण युक्त अंश के तीन भागों को समन्वित करके प्राण का सृजन किया गया। प्राण, अपान, व्यान, उदान और समान ये पाँच प्राण हैं। इसी प्रकार नाग, कूर्म, कुकर, देवदत्त और धनंजय ये पाँच उपप्राण हैं। हृदय, आसन (मूलाधार), नाभि, कण्ठ और सर्वाङ्ग उस (प्राण) के स्थान हैं। आकाश आदि पञ्चमहाभूतों के रजोगुणयुक्त अंश के चतुर्थ भाग से कर्मेन्द्रियों का सृजन किया गया। वाणी, हाथ, पैर, गुदा और उपस्थ (शिन) इसके प्रकार हैं। वचन, आदान, गमन, विसर्जन और आनन्द ये इन (कर्मेन्द्रियों) के विषय हैं। इस प्रकार पञ्चमहाभूतों के सत्त्व अंश के तीन भागों से अन्त:करण का सृजन किया । अन्त:करण में मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार और उनकी वृत्तियाँ समाहित हैं। संकल्प, निश्चय, स्मरण, अभिमान तथा अनुसन्धान क्रमश: इनके विषय हैं। गला, मुख, नाभि, हृदय और भौंहों के मध्य का भाग इनके स्थान हैं। महाभूतों के सत्त्व अंश के चतुर्थ भाग से ज्ञानेन्द्रियों का सृजन किया गया श्रोत्र, त्वचा, नेत्र, जिह्वा और घ्राण ये इनके (ज्ञानेन्द्रियों के) प्रकार हैं। शब्द, स्पर्श, रूप, रस और गन्ध इनके विषय हैं। दिशाएँ, वायु, अर्क (सूर्य), वरुण, अश्विनीकुमार, अग्नि, इन्द्र, उपेन्द्र, मृत्यु के देवता यम, चन्द्र, विष्णु, ब्रह्मा और शिव ये सभी देवगण इन इन्द्रियों के स्वामी हैं। इसके बाद अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनन्दमय ये पंचकोश हैं। अन्नमय कोश वह है, जो अन्न से उत्पन्न होता है, उसी से प्रवृद्ध होता है और अन्तत: अन्न-रसमय पृथिवी में ही विलीन हो जाता है। यही स्थूल शरीर है। कर्मेन्द्रियों के साथ पंचप्राणों का समुच्चय प्राणमय कोश कहलाता है। ज्ञानेन्द्रियों सहित मन मनोमय कोश कहलाता है। ज्ञानेन्द्रियों के साथ बुद्धि का योग विज्ञानमय कोश कहलाता है।

क्रमश: ...

विश्व कैंसर दिवस: बचाव के लिए जागरूकता जरूरी

योगेश कुमार गोयल

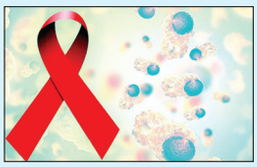

हर साल 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। 1933 में अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया। यह दिवस कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लोगों को शिक्षित करने, इस रोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को समझाने तथा हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाने के लिए मनाया जाता है।

'कैंसर' एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों के पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। दरअसल परिजनों को अपने परिवार के उस सदस्य को हमेशा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। कैंसर के संबंध में यह जान लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी व्यक्ति को किसी भी उम्र में हो सकती है लेकिन अगर इसका सही समय पर पता लगा लिया जाए तो उपचार संभव है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं और माना जा रहा है कि वर्ष 2020 तक कैंसर के मरीजों की संख्या एक करोड़ की संख्या को भी पार कर जाएगी। हालांकि कुछ वर्ष पूर्व तक कैंसर को एक असाध्य अर्थात् लाइलाज रोग के रूप में जाना जाता था लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कैंसर के उपचार की दिशा में क्रांतिकारी खोजें हुई हैं और अब अगर समय रहते कैंसर की पहचान कर ली जाए तो उसका उपचार किया जाना काफी हद तक संभव हो जाता है।

दरअसल कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके बारे में जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इस बीमारी का इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र ही लगा लिया जाए तो उसके उपचार पर होने वाला खर्च बहुत कम हो जाता है लेकिन इसकी पहचान अगर विकसित दशा में होती है तो उपचार की लागत कई गुना बढ़ जाती है। कैंसर के तीसरे या चौथे चरण में पहुंच जाने की स्थिति में मरीज का इलाज मुश्किल हो जाता है और खर्च भी अपेक्षाकृत काफी बढ़ जाता है। ऐसे मरीजों के लंबा जीवन जीने की उम्मीदें भी कम हो जाती है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना एक बहुत बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

शिवरीनारायण में शोभित है प्रत्यक्ष यहां भगवन्नारायण

प्रो. अश्विनी केशरवानी

महानदी के तट पर स्थित प्राचीन, प्राकृतिक छटा से सुसज्जित और छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी के नाम से विख्यात् शिवरीनारायण, जांजगीर-चांपा जिलान्तर्गत जांजगीर से 60 कि. मी., बिलासपुर से 64 कि. मी., कोरबा से 110 कि. मी., रायगढ़ से व्हाया सारंगढ़ 110 कि. मी. और राजधानी रायपुर से व्हाया बलौदाबाजार 120 कि. मी. की दूरी पर स्थित है। यह नगर कलचुरि कालीन मूर्तिकला से सुसज्जित है। यहां महानदी, शिवनाथ और जोंक नदी का त्रिधारा संगम प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा नमूना है। इसीलिए इसे ''प्रयाग'' जैसी मान्यता है। मैकल पर्वत श्रृंखला की तलहटी में अपने अप्रतिम सौंदर्य के कारण और चतुर्भुजी विष्णु मूर्तियों की अधिकता के कारण स्कंद पुराण में इसे ''श्री नारायण क्षेत्र'' और ''श्री पुरूषोत्तम क्षेत्र'' कहा गया है। प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा से यहां एक बृहद मेला का आयोजन होता है, जो महाशिवरात्री तक लगता है। इस मेले में हजारों-लाखों दर्शनार्थी भगवान नारायण के दर्शन करने जमीन में ''लोट मारते'' आते हैं। ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा को भगवान जगन्नाथ यहां विराजते हैं और पुरी के भगवान जगन्नाथ के मंदिर का कपाट बंद रहता है। इस दिन उनका दर्शन मोक्षदायी होता है। तत्कालीन साहित्य में जिस नीलमाधव को पुरी ले जाकर भगवान जगन्नाथ के रूप में स्थापित किया गया है, उसे इसी शबरीनारायण-सिंदूरगिरि क्षेत्र से पुरी ले जाने का उल्लेख 14 वीं शताब्दी के उड़िया कवि सरलादास ने किया है। इसी कारण शिवरीनारायण को छत्तीसगढ़ का जगन्नाथ पुरी कहा जाता है और शिवरीनारायण दर्शन के बाद राजिम का दर्शन करना आवश्यक माना गया है क्योंकि राजिम में ''साक्षी गोपाल'' विराजमान हैं। छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा मेला होने के कारण यहां के मेले को ''छत्तीसगढ़ का कुंभ'' कहा जाता है।

छत्तीसगढ़ में शिवरीनारायण के मेला का विशेष महत्व है। क्यों कि यहां का मेला अन्य मेला की तरह बेतरतीब नहीं बल्कि पूरी तरह से व्यवस्थित होता है। दुकान की अलग अलग लाईनें होती हैं। एक लाईन फ्त दुकान की, दूसरी लाइन बर्तन दुकानों की, तीसरी लाइन मनिहारी दुकानों की, चौथी लाइन रजाई-गद्दों की, पांचवीं लाइन सोने-चांदी के जेवरों की होती है। इसी प्रकार एक लाईन होटलों की, एक लाइन सिनेमा-सर्कस की, एक लाइन कृषि उपकरणों, जूता-चप्पलों की दुकानें आदि होती है। इस मेले में दुकानदार अच्छी खासी कमाई कर लेता है।

नगर के पश्चिम में महंतपारा की अमराई में और उससे लगे मैदान में माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्री तक प्रतिवर्ष मेला लगता है। माघ पूर्णिमा की पूर्व रात्रि में यहां भजन-कीर्तन, रामलीला, गम्मत, और नाच-गाना करके दर्शनार्थियों का मनोरंजन किया जाता है और प्रात: तीन-चार बजे चित्रोत्पलागंगा-महानदी में स्नान करके भगवान शबरीनारायण के दर्शन के लिए लाइन लगायी जाती है। दर्शनार्थियों की लाइन मंदिर से साव घाट तक लगता था। भगवान शबरीनारायण की आरती के बाद मंदिर का द्वार दर्शनार्थियों के लिए खोल दिया जाता है। इस दिन भगवान शबरीनारायण का दर्शन मोक्षदायी माना गया है। ऐसी मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ इस दिन पुरी से आकर यहां सशरीर विराजते हैं। कदाचित् इसी कारण दूर दूर से लोग यहां चित्रोत्पलागंगा-महानदी में स्नान कर भगवान शबरीनारायण का दर्शन करने आते है। बड़ी मात्रा में लोग जमीन में ''लोट मारते'' यहां आते हैं। मंदिर के आसपास और माखन साव घाट तक ब्राह्मणों द्वारा श्री सत्यनारायण जी की कथा-पूजा कराया जाता था। रमरमिहा लोगों के द्वारा विशेष राम नाम कीर्तन होता था। शिवरीनारायण में मेला लगने की शुरूवात कब हुई इसकी लिखित में जानकारी नहीं है लेकिन प्राचीन काल से माघी पूर्णिमा को भगवान शबरीनारायण के दर्शन करने हजारों लोग यहां आते थे...और जहां हजारों लोगों की भीढ़ हो वहां चार दुकानें अवश्य लग जाती है, कुछ मनोरंजन के साधन-सिनेमा, सर्कस, झूला, मौत का कुंआ, पुतरी घर आदि आ जाते हैं। यहां भी ऐसा ही हुआ होगा। लेकिन इसे मेला के रूप में व्यवस्थित रूप महंत गौतमदास जी की प्रेरणा से हुई। मेला को वर्तमान व्यवस्थित रूप प्रदान करने में महंत लालदास जी का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने मठ के मुख्तियार पंडित कौशलप्रसाद तिवारी की मद्द से अमराई में सीमेंट की दुकानें बनवायी और मेला को व्यवस्थित रूप प्रदान कराया। पंडित रामचंद्र भोगहा ने भी भोगहापारा में सीमेंट की दुकानें बनवायी और मेला को महंतपारा की अमराई से भोगहापारा तक विस्तार कराया। चूंकि यहां का प्रमुख बाजार भोगहापारा में लगता था अत: भोगहा जी को बाजार के कर वसूली का अधिकार अंग्रेज सरकार द्वारा प्रदान किया गया था। आजादी के बाद मेला की व्यवस्था और कर वसूली का दायित्व जनपद पंचायत जांजगीर को सौंपा गया था। जबसे शिवरीनारायण नगर पंचायत बना है तब से मेले की व्यवस्था और कर वसूली नगर पंचायत करती है। नगर की सेवा समितियों और मठ की ओर से दर्शनार्थियों के रहने, खाने-पीने आदि की नि:शुल्क व्यवस्था की जाती है।

आजादी के पूर्व अंग्रेज सरकार द्वारा गजेटियर प्रकाशित कराया गया जिसमें मध्यप्रदेश के जिलों की सम्पूर्ण जानकारी होती थी। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ फ्यूडेटरी इस्टेट प्रकाशित कराया गया जिसमें छत्तीसगढ़ के रियासतों, जमींदारी और दर्शनीय स्थलों की जानकारी थी। आजादी के पश्चात सन 1961 की जनगरणा हुई और मध्यप्रदेश के मेला और मड़ई की जानकारी एकत्रित करके इम्पीरियल गजेटियर के रूप में प्रकाशित किया गया था। इसमें छत्तीसगढ़ के छ: जिलों क्रमश: रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, रायगढ़, सरगुजा, बस्तर के मेला, मड़ई, पर्व और त्योहारों की जानकारी प्रकाशित की गयी है। इसके अनुसार छत्तीसगढ़ में शिवरीनारायण, राजिम और पीथमपुर का मेला 100 वर्ष से अधिक वर्षो से लगने तथा यहां के मेला में एक लाख दर्शनार्थियों के शामिल होने का उल्लेख है।

यहां के मेला में वैवाहिक खरीददारी अधिक होती थी। बर्तन, रजाई-गद्दा, पेटी, सिल-लोढ़ा, झारा, डुवा, कपड़ा आदि की अच्छी खरीददारी की जाती थी। यहां के मेले में किसिम किसिम के घोड़े, गाय और बैल के साथ ही कृषि से सम्बंधित सामान मिलता था। मेला में अकलतरा और शिवरीनारायण के साव स्टोर का मनिहारी दुकान, दुर्ग, धमधा, बलौदाबाजार, चांपा, बहम्नीडीह और रायपुर का बर्तन दुकान, बिलासपुर का रजाई-गद्दे की दुकान, कलकत्ता का पेटी दुकान, चुड़ी-टिकली की दुकानें, सोने-चांदी के जेवरों की दुकानें, नैला के रमाशंकर गुप्ता का होटल और उसके बगल में गुपचुप दुकान, अकलतरा और सक्ती का सिनेमा घर, किसिम किसिम के झूला, मौत का कुंआ, नाटक मंडली, जादू, तथा उड़ीसा का मिट्टी की मूर्तियों की प्रदर्शिनी-पुतरी घर बहुत प्रसिद्ध था। यहां उड़िया संस्कृति को पोषित करने वाला सुस्वादिष्ट उखरा बहुतायत में आज भी बिकने आता है। कदाचित इसीलिए यहां के मेले का अत्याधिक महत्व होता था।

गांधी आज

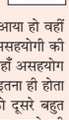

असहयोग

जहाँ पहले सहयोग से दोनों पक्षों का काम चलता आया हो वहीं असहयोगरूपी सत्याग्रह आजमाया जा सकता है। इसमें असहयोगी की सहायता के बिना जहाँ विपक्षी का काम चल सकता है वहाँ असहयोग का अर्थ दूसरे पक्ष का त्याग अथवा अपने भर की शुद्धि इतना ही होता है। सत्याग्रह में इसकी भी गुंजाइश है। जैसे मालिक को दूसरे बहुत नौकर मिल सकते हैं फिर भी मालिक के अधर्म में हाथ बटाने की इच्छा न रखनेवाला नौकर अपना इस्तीफा पेश कर दे अथवा दूसरे बहुत से लोग शराबखाना चलाने को तैयार बैठे हों फिर भी कोई कलाल का पेशा छोड़ दे तो यह इस प्रकार का असहयोग कहलाएगा। इसी प्रकार अधर्म में हठपूर्वक रहने वाले कुटुंबी, मित्र, इत्यादि का त्याग भी ऐसा ही सत्याग्रह है। जहाँ ऐसी परिस्थिति कि हमारी मदद के बिना दूसरे पक्ष का काम चल ही न सकता हो वहाँ असहयोग बहुत ही उग्र सत्याग्रह है। अ वह तभी आरंभ किया जा सकता है जब सत्याग्रही को अपने मार्ग स्पष्ट धर्मरूप जान पड़े। इसमें विपक्षी का काम मेरे बिना नहीं चल सकता यह बात सत्याग्रही भूलता नहीं और इस वस्तु स्थिति में उसे अपना बत दिखाई देता है। इससे विपक्षी को परेशान करने के लिए भी इसका उपयोग होने की संभावना है। जब विपक्षी अपने सहयोग का सर्वथा दुरुपयोग करता जान पड़े और उसके द्वारा निर्दोषों को पीड़ा पहुँचती दिखाई दे तब तो ऐसा असहयोग उचित और आवश्यक ही हो जाता है। असहयोग में विरोधी के जो-जो काम उसकी प्रत्यक्ष सहायता के बिना न चल सकते हों उन सबमें से वह अपनी सहायता हटा लेगा। जहाँ उसक प्रत्यक्ष सहायता न मिलती हो पर विरोधी को महत्त्व मिलता हो या उसका प्रतिष्ठा बढ़ती हो वहाँ भी वह ऐसी सहायता हटा लेगा और इससे स्वयं उसको जो लाभ मिलता हो वह छोड़ देगा। विरोधी अपनी योजना सत्याग्रही पक्ष की सहायता के बिना नहीं चला सकता यह अनुभव कराना इस असहयोग का लक्ष्य है। इसलिए सत्य- अहिंसादि साधनों द्वारा यह असहयोग यहाँ तक बढ़ाया जा सकता है जिससे वह योजना या काम रुक जाए। इस असहयोग में किस क्रम और कितनी तेजी से आगे बढ़ना चाहिए यह अनुभव से मालूम होता है। पर असहयोग का मार्ग ग्रहण करनेवाले को यह प्रतीति हो जानी चाहिए कि विरोधी का काम अथवा व्यवस्था इतनी दूषित है कि उसकी जगह दूसरी व्यवस्था तुरंत न हो सके तो भी वर्तमान व्यवस्था का टूट जाना अधिक इष्ट है।

संक्षिप्त समाचार

नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन आज

रायपुर। रायपुर के टाटीबंध रिंग रोड से लगे हुए नाली निर्माण के कार्य की जिम्मेदारी मशहूर उद्योगपति व समाज सेवी वीरेंद्र गोयल ने कंपनी के व्यय से करवाने हेतु सुनिश्चित किया है। बता दें वीरेंद्र गोयल मध्य भारत के प्रसिद्ध कंपनी श्री नाकोड़ा इस्पात प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध संचालक हैं। मिली जानकारी के अनुसार रायपुर कलेक्टर सर्वेश्वर भूरे, संसदीय सचिव व विधायक विकास उपाध्याय के आग्रह पर श्री नाकोड़ा इस्पात प्राइवेट लिमिटेड के एमडी वीरेंद्र गोयल ने कंपनी सोशल रिस्पांसिबिलिटी (ष्टस्क्र) के मद से इस महत जनहित कार्य को पूर्ण करने की जिम्मेदारी ली है जिसका भूमि पूजन दिनांक 4 फरवरी 2023 को सुबह 10 बजे करने हेतु निश्चित किया गया है। इस कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम जोन 8 के आयुक्त भी उपस्थित रहेंगे।

विवेक ढांड छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग के अध्यक्ष नियुक्त

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा पूर्व मुख्य सचिव और रेरा के पूर्व चेयरमैन श्री विवेक ढांड को छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आज यहां महानदी भवन, नवा रायपुर से इस आशय का आदेश जारी कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किए जाने वाले प्रशासनिक नवाचारों तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समय-समय पर राज्य सरकार की सुझाव देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग का गठन किया गया है।

छग कोसरिया अहीर यादव समाज आगामी विस चुनाव में चार जगहों से उतरेंगे प्रत्याशी

रायपुर। 5 फरवरी को होने वाले मंडी की देवी मड़ई (गहिरा मड़ई) में छत्तीसगढ़ कोसरिया अहीर यादव सेवा समाज संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत के सामने यादव की कुछ मांगों को लेकर ज्ञापन देने वाला हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ कोसरिया अहीर यादव सेवा समाज 2023 में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव के अलावा बिलासपुर से प्रत्याशी उतारने वाला हैं क्योंकि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने उनकी उपेक्षा की है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए युवा प्रदेश अध्यक्ष राकेश यादव, संयोजक राजेश यादव व प्रदेश सचिव व रायपुर जिला अध्यक्ष चंद्रहास यादव ने बताया कि भाजपा और कांग्रेस पार्टी के दोनों लोगों ने यादवों को नौकर और चौकीदार बनाकर रख दिया है। राज्य की भूपेश बघेल सरकार ने गौठान तो बना दिया है लेकिन इसका संचालन दीगर लोग कर रहे है और इस तरह यादवों की उपेक्षा हो रही है। गांव से लेकर शहरों में गोबर को बेचने के लिए कृष्ण कुंज बनाया गया है लेकिन वहां यादव समाज के लोग कम और बाहरी लोग ज्यादा इसका फायदा उठा रहे है। आगामी 5 फरवरी को मंडी की देवी मड़ई (गहिरा मड़ई) महादेव घाट स्थित कैलाश वाटिका यज्ञ प्रांगण में होने जा रहा है जिसमें पहली बार महिलाएं अपनी प्रतिभाओं को उजागर करेंगे जिसमें 25 महिलाओं का एक ग्रुप बनाया है। इसके अलावा मडई में अन्य प्रतियोगिताएं भी होगी जिसमें प्रथम पुरस्कार 16 हजार, द्वितीय 11 हजार, तृतीय 7 हजार, चतुर्थ 5 हजार और पंचम से अंतिम तक सभी गहिरा व राउत नाच दल को तीन हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

यशवंत कुमार रायपुर आयुक्त,6 जिलों में सीईओ की नवीन पदस्थापना

रायपुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 10 अधिकारियों शासन ने तबादला किया। इसमें 2007 बैच के पांच अधिकारियों को पदोन्ति के बाद नई जिम्मेदारी दी गई। साथ ही 2019 बैच के पांच अधिकारियों को जिला पंचायत सीईओ के पद पर पदस्थ किया गया।जारी आदेश में 2007 बैच की शम्मी आबिदी को आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित विभाग और अतिरिक्त प्रभार संचालक अंत्यवासी सहकारी वित्तत एवं पिकास निगम, संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, आयुक्त वक्फ सर्वे की जिम्मेदारी गई है। बसवराजू एस को सचिव गृह विभाग, अतिरिक्त प्रभार सचिव वन विभाग, हिमशिखर गुप्ता को सचिव सहकारिता विभाग, अतिरिक्त प्रभार वाणिज्यकर, सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। मोहम्मद कैसर अब्दुल हक को सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ आयुक्त मनरेगा, ओएसडी खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, यशवंत कुमार को आयुक्त रायपुर संभाग पदस्थ किया गया है।

तेलघानी आरओबी और गोगांव आरयूबी का हुआ लोकार्पण

रायपुर शहर वासियों को मिली दो बड़ी सौगातें

रायपुर। रायपुर शहरवासियों की बहुप्रतिक्षित मांग आज पूरी हो गयी है। लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू ने रायपुर रेलवे स्टेशन के पास 35.54 करोड़ रूपए की लागत से बना 526 मीटर लंबा तेलघानी रेलवे ओवरब्रिज ब्रिज तथा उरकुरा- सरोना बायपास रेल लाइन में 15.73 करोड़ रूपए की लागत से तैयार 407 मीटर लंबे और 7.5 मीटर चौड़े गोगांव रेलवे अंडर ब्रिज का लोकार्पण किया।

इन दोनों बड़े निर्माण कार्यों की सौगात मिलने से रायपुर शहर की जनता को सुगम यातायात की सुविधा मिलेगी और यहां लगने वाले जाम से निजात मिलेगी। तेलघानी आरओबी से लगभग 3 लाख से अधिक आम नागरिकों के साथ-साथ संपूर्ण नगरीय क्षेत्र को रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 6 एवं 7 के लिए सुगम यातायात उपलब्ध होगा। इसी तरह से गोगांव आरयूबी के शुरू हो जाने से इस क्षेत्र की लगभग 3 लाख से भी अधिक की आबादी को लाभ मिलेगा। इन दोनों सुविधाओं के लिए

श्री साहू ने छः लाख से अधिक शहर वासियों की ओर से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने स्थानीय जनता को संबोधित करते हुए कहा कि ये दोनों ही ब्रिज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्राथमिकता वाले कामों में थे और इन्हें जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए थे। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि अब इन दोनों ब्रिजों से शहर वासियों को आने जाने में कोई तकलीफ नहीं होगी। शहर का एक कोना दूसरे कोने से आज जुड़ गया है और अब इस पार- उस पार की सीमाएं भी खत्म हो गयी हैं। दोनों ब्रिजों से शहर के दोनों तरफ आवागमन केसाथ साथ व्यापार व व्यवसाय और मेलजोल भी तेजी से बढ़ेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि लोगों की सुरक्षा के लिए पुराने तेलघानी ओवरब्रिज से भारी वाहनों का आवागमन भी बंद कर दिया गया है अब इस ब्रिज से केवल दो पहिया और छोटे चार पहिया वाहन ही गुजर सकेंगे। इससे लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री श्री बघेल की अगुवाई में कई ऐसी योजनाएं चलाई हैं जिससे लोगों की जेब में पैसा आया है। पहले शहर की यातायात व्यवस्था 7-8 लाख की आबादी के हिसाब से थी परन्तु अब यह बढ़कर लगभग 25 लाख की आबादी तक पहुंच गयी है। शासन की योजनाओं से लाभ लेकर लोगों ने अपनी सहूलियत के लिए वाहन भी खरीदे हैं तो उनको चलाने के लिए अच्छी सड़कें देना सरकार की जिम्मेदारी है। इसी जिम्मेदारी को निभाते हुए शहर में दो नए ब्रिजों का आज लोकार्पण हुआ है। लोगों को निरंतर अबाध आवागमन की सुविधा मिलेगी इसके लिए मैं मुख्यमंत्री सहित लोक निर्माण मंत्री का भी आभार व्यक्त करता हूं।

इस मौके पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, महापौर ऐजाज ढेबर, रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक सत्यनारायण शर्मा, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष पंकज शर्मा, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित लोक निर्माण विभाग एवं रेल विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

किसानों ने सीखे बागवानी फसलों की उन्नत खेती के गुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उद्यानिकी फसलों के उत्पादन की असीम संभावनाओं को देखते हुए अब अधिक से अधिक किसान फलों, सब्जियों, फलों तथा अन्य बागवानी फसलों की खेती की ओर प्रेरित हो रहे हैं।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत राज्य शासन की मंशा अनुरूप कृषि के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र विस्तार एवं उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में वृद्धि तथा प्रदेश के कृषकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए संचालित इस योजना के अंतर्गत मुंगेली जिले के कृषकों के दो बैच क्रमशः 30 जनवरी, 2023 से 01 फरवरी, 2023 एवं 2 से 4 फरवरी, 2023 तक आयोजित किये गए। राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (समेती) लाभाण्डी, रायपुर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्रमशः 40-40 कृषकों को उद्यानिकी फसलों से संबंधित उन्नत तकनीक से खेती (फल एवं सब्जी) समन्वित कीट प्रबंधन व बीमारियों की रोकथाम की जानकारी, बीज उत्पादन तकनीक, बहुवर्षीय सब्जियों की खेती, पुष्प उत्पादन तकनीक व संभावनाएं तथा कृषकों को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के टिश्यु कल्चर प्रयोगशाला, सेन्टर आफ एक्सीलेंस, संरक्षित खेती प्रक्षेत्र की भ्रमण व शासकीय बीज प्रगुणन प्रक्षेत्र बाना, रायपुर का भी भ्रमण कराया गया।

उक्त विषयों में तकनीकी जानकारी इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञों व संस्थान के अधिकारियों द्वारा दिया गया।

पॉवर कंपनी में समयसीमा में सीआर नहीं लिखने वालों का रूकेगा वेतन

■ - वार्षिक गोपनीय चरित्रावली हेतु नई समय सीमा निर्धारित

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज ने वार्षिक गोपनीय चरित्रावली (एसीआर)के लिए नए निर्देश जारी किये गये हैं। इसमें समय पर एसीआर प्रतिवेदन जमा नहीं करने पर वेतन भुगतान रोकने और अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रावधान किया गया है। इससे अधिकारी-कर्मचारियों के सीआर समय पर लिखे जाएंगे और उन्हें समय पर पदोन्नति एवं उच्च वेतनमान का लाभ मिल सकेगा।

ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि कई बार सीआर प्रतिवेदन अत्यंत विलंब से जमा किये जाने पर कर्मचारी/अधिकारी की पदोन्नति, उच्च वेतनमान प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब होता है। अब प्रतिवेदन जमा करने अंतिम समय सीमा 10 सितंबर तय की गई है, ताकि प्रति वर्ष के प्रारंभ में ही जनवरी में पदोन्नति पैनल बनाया जा सके। यदि संबंधित कर्मचारी/अधिकारी उपरोक्तानुसार निर्धारित तिथि तक सभी लंबित प्रतिवेदन जमा नहीं करते हैं

और रिमाइंडर देने के बाद भी तय समय सीमा में नहीं जमा करते हैं तो भुगतान योग्य वेतन के 50 प्रतिशत का भुगतान अस्थाई रूप से स्थगित रखा जावेगा। संबंधित कर्मचारी/अधिकारी व्दारा सभी लंबित प्रतिवेदन उच्च कार्यालय में जमा करने की सूचना उनके व्दारा प्राप्त होने के बाद संबंधित लेखाविभाग व्दारा सभी स्थगित भुगतान एक साथ जारी किया जावेगा।

यदि निर्धारित तिथि के 30 दिन के बाद तक भी किसी संबंधित अधिकारी व्दारा अपना मूल्यांकन प्रतिवेदन नहीं जमा किया जाता है तो प्रतिवेदक अधिकारी इस आशय की टिप्पणी दर्ज करते हुए स्वयं मूल्यांकन कर समीक्षक अधिकारी को मूल्यांकन प्रतिवेदन प्रेषित कर सकेंगे।

यदि 31 दिसंबर तक कुछ कर्मचारी/अधिकारी की वार्षिक गोपनीय चरित्रावली प्राप्त नहीं होती है तो ऐसे सभी संबंधित कर्मचारी/अधिकारी के पिछले वर्षों के उपलब्ध वार्षिक गोपनीय चरित्रावली के आधार पर पदोन्नति हेतु आवश्यक पेनल जनवरी माह में बनाया जाएगा। परन्तु उस कर्मचारी/अधिकारी के पदोन्नति पर अंतिम निर्णय, सभी आवश्यक प्रतिवेदन प्राप्त होने पर ही लिया जावेगा। प्रतिवेदन निर्धारित समय सीमा एक माह से अधिक विलंबित होने पर या उपरोक्तानुसार निर्देशों का पालन नहीं होने पर, नियंत्रणकर्ता अधिकारी या संबंधित कंपनी के मानव संसाधन विभाग व्दारा सभी संबंधित कर्मचारी/अधिकारी से स्पष्टीकरण प्राप्त कर, तदुपरांत सक्षम अधिकारी के माध्यम से कारण बताओ नोटिस'' जारी कर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकेगी।

प्रदेश के गौठानों में यादवों को नौकरी पर नहीं रखने से नाराज हुआ छग यादव समाज

रायपुर। राज्य सरकार के द्वारा प्रदेश भर में गौठानों का निर्माण किया गया है लेकिन इन गौठानों में यादवों को नौकरी नहीं दिया गया इससे छत्तीसगढ़ यादव समाज के लोग नाराज है और वे सरकार से मांग कर रहे है कि इन गौठानों में उन्हें नौकरी दिया जाए तथा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में यादव समाज के भवन के लिए 25-25 लाख रुपये स्वीकृत किया जाए और नया रायपुर में पांच एकड़ भूमि का आबंटन किया जाए। पत्रकारों से चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ यादव समाज के प्रांतीय अध्यक्ष सुधीर यादव ने कहा कि प्रत्येक यादव के यहां एक गौमाता जरुर होना चाहिए क्योंकि गौमाता ही यादवों की पहचान है। पांच फरवरी, रविवार को होने वाले युवक-युवती परिचय सम्मेलन व सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित होने वाले कृषि मंत्री को ज्ञापन के माध्यम से इस संबंध में वे अपनी मांग पत्र सौंपेंगे।

सुधीर ने बताया कि संस्था प्रदेश के 30 लाख यादवों कास

प्रतिनिधित्व करती है और समाज में शिक्षा का प्रचार-प्रसार होने से सामाजिक परंपराओं में भी परिवर्तन होने लगा है। अब नयी पीढ़ी अपनी पसंद से जीवन साथी चुनने लगे है यह एक सकारात्मक परिवर्तन है। इन्हीं सबको देखते हुए छत्तीसगढ़ यादव समाज 5 फरवरी को शहीद स्मारक भवन में युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन करने जहा रहा है जिसमें जो जोड़ों का आदर्श विवाह भी संपन्न होगा और इन्हें आर्शीवाद प्रदान करने के लिए मुख्य अतिथि के रुप में कृषि मंत्री रविंद्र चौबे, अध्यक्षता छग यादव समाज के प्रांतीय अध्यक्ष सुधीर यादव, विशेष अतिथि के रुप में विधायक सत्यनारायण शर्मा, विकास उपाध्याय, कुलदीप जुनेजा, संनि.कर्म.क.म. के अध्यक्ष सुशील अग्रवाल, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पंकज शर्मा व रायपुर महापौर एजाज ढेबर उपस्थित रहेंगे।

सुधीर ने पत्रकारों के द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि प्रदेश में संचालित हो रहे गौठानों से पूरा यादव समाज नाखुश है क्योंकि इन गौठानों का संचालन कहीं स्व सहायता समूह तो कहीं पर अन्य समूहों के द्वारा किया जा रहा है। पूरा यादव समाज चाहता है कि इन गौठानों का संचालन यादव के लोगों को नौकरी पर रखकर किया जाए क्योंकि गाय चराने से लेकर गोबर उठाने तक का वे काम करते हैं।

अग्रसेन महाविद्यालय में हुआ आनंद मेला

रायपुर। अग्रसेन महाविद्यालय पुरानी बस्ती में आज पूर्व छात्रों का सम्मलेन (एल्युमिनी), पालक-शिक्षक संवाद (पीटीएम) और आनंद मेले का आयोजन किया गया. महाविद्यालय के डायरेक्टर डा वी.के. अग्रवाल ने इस आयोजन को आवश्यक बताते हुए कहा कि इससे महाविद्यालय को महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त होते हैं. प्राचार्य डा युलेंद्र कुमार राजपूत ने भी एल्यूमिनी मीट और पालकों से मुलाकात के कार्यक्रम को अकादमिक कार्यों के लिए उपयोगी बताया. एडमिनिस्ट्रेटर प्रो. अमित अग्रवाल ने कहा कि इस आयोजन से संस्था में अकादमिक गतिविधियों को सुधारने का अवसर मिलता है. उमंग 2023 में आयोजित आनंद मेले में इस

वर्ष कुल बीस स्टॉल लगाए गए, जिसमे से महाविद्यालय के छात्रों द्वारा 19 एवम महाविद्यालय कैंटीन द्वारा भी एक स्टॉल लगाया गया। जिसमे दो खेल के और बाकी व्यंजन आदि के स्टॉल उपलब्ध थे। जिसमे छात्रों ने बढ़-चढ़ कर अपनी भागीदारी दिखाई,और अपनी लागत वसूलते हुए यथोचित लाभ भी कमाया। मेले में लकी ड्रॉ के माध्यम से उपहार जीतने का भी मौका दिया गया,जिसमें बी कॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा सोनम बंजारे विजयी रही। कार्यक्रम के प्रभारी महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक प्रो रुचि शर्मा एवं प्रो अभिषेक अग्रवाल थे। आज के आनंद मेले में अनेक विद्यार्थियों ने स्टाल लगाकर विभिन्न प्रकार के मीठे और नमकीन व्यंजन प्रस्तुत किये. विद्यार्थियों और उनके परिजनों के साथ-साथ प्राध्यापकों ने भी इन सभी स्टाल पर जाकर विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया और उनके प्रयासों की सराहना की.वहीं, पूर्व छात्रों का सम्मलेन (एल्युमिनी) व पालक-शिक्षक संवाद (पीटीएम) के आयोजन में विद्यार्थियों का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला. पीटीएम में जहाँ पालकों ने विद्यार्थियों के साथ पहुंचकर विभिन्न संकायों के विभागाध्यक्षों तथा प्राध्यापकों से चर्चा की।

हाथी प्रभावित क्षेत्रों में किसान बिना किसी डर के कर सकेंगे फसलों की देख-रेख

रायपुर। सूरजपूर जिले के प्रतापपुर क्षेत्र के किसान खेती-किसानी और फसल की देखरेख बिना किसी डर के आसानी से कर सकेंगे इसके अलावा उन्हें हाथी आने पर सुरक्षित स्थानों में पहुंचने में मद्द मिल सकेंगी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर इस क्षेत्र के हाथी प्रभावित गांवो में 33 नग सोलर हाईमास्ट लाइट लगाए गए हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री के प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड के हाथी प्रभावित क्षेत्र के ग्राम गोविंदपुर के ग्रामवासियो ने मुख्यमंत्री से हाथी प्रभावित क्षेत्रों में सोलर हाईमास्ट लाईट लगाने की मांग की थी। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में अंधेरा होने के कारण हाथी आने पर ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान में शरण लेने के लिए अन्य स्थान आने-जाने में असुविधा का समाना करना पड़ता था। सोलर हाईमास्ट लाईट लगने से उन्हें सुरक्षित स्थान पर आने-जाने में मद्द मिलेगी। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर मौके पर ही सोलर हाईमास्ट लाईट लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे। मुख्यमंत्री की इस घोषणा पर जिला प्रशासन, वन विभाग और क्रेडा के अधिकारियों ने फौरी अमल करते हुए हाथी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और सोलर हाईमास्ट लगाने के लिए उपयुक्त स्थल का चयन किया।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर है मड़ई मेला - डहरिया

1 करोड़ 08 लाख रूपये के विकास कार्यों की घोषणा की

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दिसंबर से लेकर मार्च-अप्रैल महीने तक पूरे प्रदेश भर के ग्रामीण अंचलों में मड़ई मेला का आयोजन किया जाता है और छत्तीसगढिय़ा समाज के द्वारा उत्साह के साथ इस सांस्कृतिक कार्यक्रम को मनाया जाता है। नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया के विधानसभा क्षेत्र आरंग के विभिन्न ग्रामों में मड़ई मेला का आयोजन किया जा रहा जिसमें मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो रहे हैं। विगत दिनों गनौद, तुलसी एवं जावा में आयोजित मड़ई मेला में मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ग्रामीणों के बीच पहुंचे तथा मड़ई मेलों में लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि मड़ई

मेला हमारे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर है। जिसे हम अपने पूर्वजों से पीढ़ी दर पीढ़ी देखते आए हैं। हमें भी इस सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना है तथा आने वाली पीढ़ी तक पहुंचना है। मड़ई मेला के अवसर पर ग्रामीणों ने विकास कार्यों की मांग भी की, जिस पर मंत्री डॉ. डहरिया ने मंच से एक करोड़ आठ लाख रूपये के विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने ग्राम गनौद में धान खरीदी केंद्र में सीसी रोड़ निर्माण हेतु 69.46 लाख रूपये, साहू समाज सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 6.50 लाख रूपये, पंखटिया तालाब में शेड निर्माण हेतु 02 लाख रूपये, गौरा गौरी मंच निर्माण हेतु 1.50 लाख रूपये, ग्राम तुलसी में शीतला मंदिर से नोहर के घर तक सीसी रोड़ निर्माण हेतु 14.76 लाख रूपये, साहू समाज सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 05 लाख रूपये, मंगल भवन अहाता निर्माण हेतु 2.50 लाख रूपये और रंगमंच निर्माण हेतु 1.50 लाख रूपये, ग्राम जावा में मौली माता मंदिर में पेवर ब्लाक हेतु 05 लाख रूपये की घोषणा की गई है। मंत्री डॉ. डहरिया को संकरी के आश्रित ग्राम जावा के ग्रामीणों ने अवगत कराया कि उन्हें राशन के लिए 07 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है, इसलिए हमारे गांव में राशन दुकान खुलवा दीजिए, जिस पर मंत्री डॉ. डहरिया ने तत्काल घोषणा कर एक सप्ताह के भीतर गांव में ही राशन दुकान खुलवाने की घोषणा की। इस माह से ग्रामीणों को अब राशन दुकान से राशन वितरण शुरू कर दिया गया है, इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किया है। गांववासियों ने मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

कुछ हार गई तकदीर, कुछ टूट गये सपने...

भाजपा ने अपने बुजुर्ग नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरलीमनोहर जोशी आदि को सक्रिय राजनीति से रिटायर कर मार्गदर्शक मण्डल में भेज दिया वहीँ भारत की मोदी सरकार ने भी उसी तर्ज पर बुजुर्गों को भी घर के भीतर ही रहने सीमित कर दिया है...?बुजुर्गों की रेल किराये की छूट, रेल का घाटा कम करने के नाम पर समाप्त कर दी है पर सांसदों ,पूर्व सांसदों को यह छूट जारी है क्यों...? आखिर उनकी छूट भी तो हमारे टैक्स के पैसों से ही दी जाती है....?

पिछले तीन साल से रेलवे ने बुजुर्गों के लिए रियायत को खत्म कर दिया है। रेलवे को हर वर्ष लगभग 2 हजार करोड़ रुपये का लाभ यह रियायत बन्द करने से हो रहा है।रेलवे ने जानकारी दी कि सीनियर सिटीजन को किराये में छूट के कारण वर्ष 2018-19 में रेलवे को 1636 करोड़ और वर्ष 2019-20 में 1667 करोड़ का नुकसान हुआ। रेलवे ने यह भी जानकारी दी कि वर्ष 2018-19 में कुल 12.02 करोड़ सीनियर सिटीजन एवं वर्ष 2019-20 में कुल 12.06 करोड़ सीनियर सिटीजन ने रियायती टिकिट पर यात्रा की।आज की स्थिति के आधार पर गणना करें तो रेलवे को हर साल लगभग 2 हजार करोड़ रुपये का लाभ हो रहा है।कोरोना काल के बाद रेल के किराए में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है।

आपको बता दें मार्च 2020 से पहले रेलवे की तरफ से 58 वर्ष या इससे ज्यादा उम्र वाली महिलाओं को किराये में 50 प्रतिशतऔर 60 वर्ष या इससे ज्यादा की उम्र के पुरुषों को 40 प्रतिशत की छूट मिलती थी। यह छूट सभी क्लास में रेल का सफर करने पर मिलती थी। लेकिन कोरोना काल के बाद ट्रेन का आवागमन बहाल होने पर यह सुविधा खत्म कर दी गई और अभी तक यह रियायत पूरी तरह बन्द है।इस बजट में भी देश के बुजुर्गों को नजर अंदाज किया गया है?इस तरह पिछले 3 साल से सीनियर सिटीजन इस लाभ से वंचित हैं।इधर मौजूदा सांसदों और पूर्व सांसदों को ट्रेनों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाती है।इस सुविधा का लाभ उठाते हुए कई सासंदों ने मुफ्त में रेलवे के सफर का आनंद जमकर उठाया है। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक ट्रेनों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा से बीते पांच साल में सरकारी खजाने पर 62 करोड़ रुपये का भार पड़ा।मौजूदा सांसद रेलवे की प्रथम श्रेणी की वातानुकूलित श्रेणी या एग्जिक्यूटिव श्रेणी की निःशुल्क यात्रा की पात्रता रखते हैं।उनके जीवनसाथी भी कुछ शर्तों के साथ मुफ्त यात्रा कर सकते हैं।पूर्व सांसद भी अपने किसी साथी के साथ एसी-2 टियर में या अकेले एसी-1 टियर में निःशुल्क यात्रा करने की पात्रता रखते हैं।

आरटीआई के जवाब में लोकसभा सचिवालय ने बताया कि उसे 2017-18 और 2021-22 में वर्तमान सांसदों की यात्रा के बदले में रेलवे की ओर से 35.21 करोड़ रुपये का बिल मिला वहीं पूर्व सांसदों की यात्रा के लिए 26.82 करोड़ रुपये का बिल मिला है।

3आईपीएस भी हैं ईडी की राडार में

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में कथित कोयला लेवी घोटाले को लेकर दाखिल किये गये पूरक आरोपपत्र में दावा किया है कि सीएमओ दफ्तर में तैनात एकअफसर से जुड़ाव के चलते इस प्रकरण के सरगना सूर्यकांत तिवारी राज्य की नौकरशाही में काफी प्रभाव रखते थे।रायपुर की विशेष अदालत में दाखिल किये गए पूरक आरोपपत्र में कहा गया है कि ईडी की जांच में यह भी पाया कि 3आईपीएस अधिकारी कोयला व्यापारी तिवारी के अधीन काम कर रहे थे।ईडी की जांच उस कथित घोटाले से संबंधित है, जिसमें छत्तीसगढ़ से कोयले की प्रत्येक टन ढुलाई पर एक गिरोह 25 रुपये की कथित रूप से अवैध उगाही करता था। इस गिरोह में वरिष्ठ नौकरशाह, कारोबारी और राजनीतिक नेता कथित रूप से शामिल हैं।एजेंसी ने 5,500 से अधिक पन्नों के पूरक आरोपपत्र में कहा है कि तिवारी ने एक अफसर से अनाधिकारिक आदेश प्राप्त किया तथा उससे जिला स्तर पर नियुक्त आईएएस और आईपीएस के अधिकारियों को अवगत कराया।आरोपपत्र के मुताबिक, इसने उसके (तिवारी के) लिए जिला प्रशासन पर नियंत्रण संभव बनाया और उसे कोयला की प्रति टन ढुलाई से 25 रुपये और लौह अयस्क के पत्थरों की प्रति टन ढुलाई से 100 रुपये की अवैध लेवी की उगाही करने में सक्षम बनाया। वैसे आईएएस के बाद अब तीन आईपीएस अफसर ईडी की राडार पर हैं। इसमें एक आईजी तथा 2 एसपी स्तर के आईपीएस अफसर शामिल बताए जा रहे हैं....?इनमें दो अफसर तो फिलहाल फील्ड में नहीं हैं वहीँ एक अफसर जरुर फील्ड में पदस्थ हैं ?

लगातार 8 जिलों में पुलिस कप्तानी का रिकार्ड

गाजीपुर उप्र के निवासी, पत्रकार पिता की संतान, सदा जीवन उच्च विचार रखने वाले 2011 बैच के आईपीएस संतोष सिंह लगातार 8 जिलों के एसपी बनने का रिकार्ड बना रहे है हालांकि इनसे अधिक जिलों में एसपी बनने का रिकार्ड वर्तमान में बिलासपुर आईजी बद्री मीणा का है पर वे बीच में प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली भी चले गये

थे याने लगातार एसपी बनने का उनका रिकार्ड नहीं बना है। आईपीएस संतोष सिंह,कोंडागांव, नारायणपुर, महासमुंद, कोरिया, रायगढ़, राजनांदगाव, कोरबा के बाद अब बिलासपुर के एसपी बनाए गये हैं।उन्हें अमेरिका में पोलिसिंग के लिये अंतराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला है।

सीएम,सीएस सचिवालय के बाद तीसरे जिले की कलेक्टरी

छत्तीसगढ़िया आईएएस अफसर तारण प्रकाश सिन्हा को तीसरे जिले रायगढ़ के कलेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है। वे राजनाँदगाव में लगभग एक साल एक माह, जांजगीर में 6माह तक कलेक्टरी कर चुके हैं। सीएम के संयुक्त सचिव, मुख्य सचिव के सचिव, जनसम्पर्क आयुक्त, संचालकसंस्कृति,पंचायत,नगर निगम रायपुर के आयुक्त की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी सम्हाल चुके हैं।तारन प्रकाश सिन्हा का जन्म 9 जुलाई 1975 को छत्तीसगढ़ के पेंड्रा शहर में हुआ। पेंड्रा में ही उन्होंने प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने इतिहास विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। संयुक्त मध्य प्रदेश के लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सिविल सर्विस परीक्षा में उन्होंने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की। सिंगापुर के सिविल सर्विस कॉलेज और अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया, बर्कले से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। श्री सिन्हा की पत्नी श्रीमती श्वेता सिन्हा राज्य पुलिस सेवा की अधिकारी हैं और वर्तमान में संचालक, खेल एवं युवा कल्याण के पद पर कार्यरत हैं।

और अब बस....

- 2007 बैच के आईएएस की सचिव पदोन्नति के बाद कोई बड़ा फेरबदल नहीं हुआ है।
- कुछ कलेक्टर, कुछ एसपी अभी और बदले जाने की चर्चा तेज है।
- छ्ग में 2 जिलों में छोटे पुलिस अफसर एसपी पर भारी क्यों पड़ रहे हैं....?

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के काफिले में अत्याधुनिक सुरक्षा मानकों से लैस काले रंग के नए टोयोटा फॉर्च्यूनर वाहन शामिल किए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आज सवेरे यहां अपने निवास परिसर में अपने काफिले में शामिल हो रहे इन नए वाहनों की मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री इसके बाद नए वाहनों के काफिले में पुलिस लाइन रायपुर हेलीपेड के लिए रवाना हुए। जहां से वे हेलीकॉप्टर द्वारा कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए रवाना हुए।

सनातन संस्कृति के अपमान पर मुख्यमंत्री देश से माफी मांगें- बृजमोहन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व संस्कृति धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रामायण की समीक्षा की बात की है, यह घोर निंदनीय है। रामायण प्रभु श्री राम की मानव जीवन लीला का चित्रण है। उनके चरित्र से सनातन संस्कृति प्रेरणा लेती है कि समाज में, परिवार में कैसे संबंध होने चाहिए। रामायण भगवान श्री राम की जीवन लीला के माध्यम से बताती है कि भाई से , परिजनों से,कैसे संबंध होने चाहिए। संबंधों का महत्व क्या होता है संबंधों का सम्मान कैसे किया जाता है। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि सौतेली मां की इच्छा पूरी करने,

पिता की आज्ञा पर, प्रभु श्री राम 14 वर्ष के वनवास पर गए। अनुज लक्ष्मण उनके साथ वन गए और अनुज भरत ने बड़े भाई की खड़ाऊं सिंहासन पर रखकर शासन व्यवस्था सम्हाली। आज भूपेश बघेल कांग्रेसी मानसिकता और संस्कृति के अनुसार रामायण की समीक्षा करने की बात कहकर करोड़ो सनातनियों की आस्था को अपमानित कर रहे हैं। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेसी सनातन संस्कृति के अपमान का एक भी मौका नहीं छोड़ते है। कांग्रेसी पहले ही प्रभु श्रीराम के चरित्र को काल्पनिक मानते हैं। अभी कुछ दिन पहले भूपेश बघेल ने साधु संतों को चमत्कार ना दिखाने की नसीहत दी थी। अब वे रामायण की समीक्षा करने की आपत्तिजनक बात कर रहे हैं। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि सनातन संस्कृति के अपमान के लिए भूपेश बघेल देश से माफी मांगें।

भाजपा गलतबयानी कर रही - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा के नेता बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री के बयान को लेकर झूठ बोला है, उन्होंने दुर्भावनापूर्वक मुख्यमंत्री के बयान को लेकर गलत ढंग से पेश किया। मुख्यमंत्री ने जो नही कहा बृजमोहन वह कह रहे है। मुख्यमंत्री के बयान में अपनी मंशा जोड़ना भाजपा नेता की स्तरहीन हरकत है। मुख्यमंत्री कही भी ऐसा कोई बयान नही दिया। मुख्यमंत्री ने यह कहा कि रामचरित मानस का रामायण का, भगवान राम के चरित्र का हर व्यक्ति को अध्यन करना चाहिये। उनसे प्रेणा लेनी चाहिये। रामचरित मानस, रामायण लोगों में जागरूकता फैलाती है और लोगों चरित्र का निर्माण करती है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

भूपेश ने कहा रमन सिंह अपनी टिकट की चिंता करें

रायपुर। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अब सियासी पारा भी गरमाने लगा है। जैसे ही पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमन सिंह का बयान आया कि जो स्थिति कांग्रेस की है कि विधायक जो सत्तारूढ़ पार्टी के हैं, उनकी हिम्मत चुनाव लडने की नहीं है। मैदान में जाने की स्थिति नहीं है तो अपनी पार्टी की चिंता करनी चाहिए बीजेपी की चिंता करने वाले बहुत हैं। अब इस पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि रमन सिंह चोरी डकैती नहीं कर पाए। विधायकों को तोड़ नहीं पाए तो इस प्रकार की बात कह रहे हैं और फिर रमन सिंह अपनी टिकट की चिंता करें। पुरंदेश्वरी देवी कह चुकी हैं कि वह चेहरा नहीं है। भूपेश बघेल ने आगे कहा कि केंद्रीय नेतृत्व डॉ.रमन पर विश्वास नहीं कर रहा है। दूसरा जैसे कि जानकारी मिली है कि सारे विधायकों को कह दिया गया है जो 14 बचे हैं उनकी टिकट तय नहीं है। तो अपनी टिकट की चिंता करें रमन सिंह। मुख्यमंत्री रहते हुए अपने बेटे को लोकसभा की टिकट नहीं दिला पाए, हमारी चिंता क्यों कर रहे हैं। अपनी चिंता करें अपने पार्टी की चिंता करें।

मोदी सरकार महंगाई रोकने में असफल 1 साल में दूध के दाम में 8 रु. प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई

रायपुर। दूध के दाम में 3 रू. प्रति लीटर वृद्धि होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि 100 दिनों में महंगाई कम करने का दावा कर सत्ता में आये मोदी सरकार 9 साल में महंगाई को नियंत्रित करने में असफल साबित हुयी है। मोदी सरकार के 9 साल के कार्यकाल में महंगाई कम होने के बजाये महंगाई में चौतरफा वृद्धि हुआ हैं। बीते 1 साल में दूध के दाम में लगभग 8 रु. से अधिक की वृद्धि हुई है। बजट के दूसरे दिन ही दूध के दाम में प्रति लीटर 3 रु. की वृद्धि हो गई है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि यूपीए शासन काल में एलपीजी सिलेंडर वर्ष 2014 में 410 रू. प्रति सिलेंडर थी जो वर्ष 2023 में 1153 प्रति सिलेंडर कीमत में 170 प्रतिशत की वृद्धि, पेट्रोल 2014 में 71 रू. प्रति लीटर थी जो वर्ष 2023 में 102 रू. प्रति लीटर, कीमत में 41 प्रतिशत की वृद्धि, डीजल वर्ष 2014 में 57 रू. प्रति लीटर थी जो वर्ष 2023 में 95 रू. प्रति लीटर कीमत में 75 प्रतिशत की वृद्धि, सरसों तेल वर्ष 2014 में 90 रू. प्रति किलो थी, जो वर्ष 2023 में 200 रू. प्रति किलो कीमत में 122 प्रतिशत की वृद्धि, आटा वर्ष 2014 में 22 रू. प्रति किलो थी जो वर्ष 2023 में 35-40 रू. प्रति किलो कीमत में 81 प्रतिशत की वृद्धि, दूध वर्ष 2014 में 35 रू. प्रति लीटर थी।

पुरानी पेंशन योजना की बहाली ऐतिहासिक निर्णय - अमरजीत

रायपुर। खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी और जनप्रतिनिधि एक साथ मिलकर राज्य की प्रगति के लिए जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे, तभी गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का सपना साकार होगा। मंत्री भगत आज नया रायपुर इंद्रावती भवन स्थित विभागाध्यक्ष कार्यालय परिसर में राजपत्रित अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के तत्वावधान में आयोजित नववर्ष मिलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में मंत्री भगत ने नवा रायपुर प्रीमियम लीग टुर्नामेंट प्रतियोगिता के खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। मंत्री भगत ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी हर दिन शासकीय काम-काज में लगे रहते हैं। इससे उनका मन कई बार उब सा जात है, काम के साथ-साथ सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, जिससे उनमें नई ऊर्जा का संचार हो सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अधिकारी-कर्मचारी के बुढ़ापे और उनके परिवार को सुरक्षा देने के उद्देश्य से पुरानी पेंशन योजना पुनः शुरू किया। यह कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय है। खाद्यमंत्री भगत ने कोविड-19 काल में जब लोग कोरोना महामारी से जीवन बचाने की जद्दोजहद में थे, तब राज्य सरकार की सहयोग से अधिकारी-कर्मचारी अपनी जान की बाजी लगाकर मरीजों को बचाने में लगे थे।

कुमारी शैलजा बजट में पीएम आवास के लिए राज्यांश का प्रावधान कराएं- रंजना साहू

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विधायक रंजना साहू ने छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना में राज्यांश न देने पर महिलाओं को हो रही परेशानी पर कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा है कि आप महिला हैं और घर न होने से महिलाओं को कितनी तकलीफ होती है, यह दर्द आप बखूबी समझ पाएंगी। भाजपा प्रवक्ता रंजना साहू ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तो छत्तीसगढ़ की महिलाओं का दर्द समझते नहीं हैं। आप जानती ही हैं कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने बजट में प्रधानमंत्री आवास के लिए 66 प्रतिशत राशि की बढ़ोतरी कर दी है। परंतु पिछले 3 वर्षों से भूपेश बघेल जी द्वारा राज्यांश न देने के कारण छत्तीसगढ़ में 16 लाख प्रधानमंत्री आवास नहीं बन पा रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता रंजना साहू ने कहा कि आपसे अनुरोध है कि मुख्यमंत्री जी से कहकर बजट में राज्य के अंश की व्यवस्था करवा दें। ताकि प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास बनना प्रारंभ हो सकें। भाजपा प्रवक्ता रंजना साहू ने कांग्रेस प्रभारी से कहा है कि अगर आपको अधिक जानकारी लेनी हो तो पंचायत मंत्री पद त्यागने वाले वरिष्ठ मंत्री टीएस सिंहदेव जी से पूछ लीजिए। वे इस बारे में विस्तार से तथा बेहतर तरीके से बता पाएंगे।

भारत को विश्व गुरु बनने की ओर ले जाने वाला नए भारत की समृद्धि का बजट - बृजमोहन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व कृषि मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने एकात्म परिसर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बजट में छत्तीसगढ़ के लिए विशेष ध्यान रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में अमृतकाल चल रहा है। जिसमें सभी वर्गों का कल्याण शामिल है। बजट में गरीब, आदिवासी, मध्यम वर्ग, महिला, युवा वर्ग और किसानों का विशेष ख्याल रखा गया है। यह बजट भारत की समृद्धि का बजट है। बजट के मूल में अंत्योदय विजन है। एक यह बजट मध्यम वर्ग, महिला व आत्मनिर्भर भारत का बजट है। पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट में कई महत्वपूर्ण प्रावधान रखे गए हैं। जिसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिए भी कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए है। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट का आकार 39.44 लाख करोड़ से 12 प्रतिशत बढ़ाकर 45 लाख करोड़ कर लिया है। नई व्यवस्था के तहत अब 7 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को कोई टैक्स नहीं देना होगा। इससे 95 प्रतिशत मध्यमवर्गीय आयकर दाताओं को राहत मिलेगी।

राजिम मेला स्थल में राज्य आपदा प्रबंधन टीम का मॉक ड्रिल

राजिम। राजिम माघी पुन्नी मेला का आयोजन 5 फरवरी माघ पूर्णिमा से 18 फरवरी महाशिवरात्रि तक किया जाएगा। इस दौरान 3 पर्व स्नान 5 फरवरी माघ पूर्णिमा, 14 फरवरी जानकी जयंती एवं 18 फरवरी महाशिवरात्रि का होगा। गरियाबंद कलेक्टर प्रभात मलिक के निर्देश पर राजस्व एवं आपदा विभाग के एसडीआरएफ टीम द्वारा राजिम मेला में पहुंचाने वाले श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों के सुरक्षा को देखते हुए मॉक ड्रिल के जरिए आपदा के समय विषम परिस्थितियों के कैसे बचाव करें इसकी जानकारी दी गई।

राजिम मेला स्थल लक्ष्मण झूला के पास एसडीआरएफ की टीम ने बाढ़, आंधी, प्राकृतिक आपदा से बचाव के साथ आकस्मिक दुर्घटना की स्थिति में बचाव कार्य, टुटे हुए पुल से लोगों को उतारना, मेला स्थल पर अत्याधिक भीड़ होने से भगदढ़ मचने से रोकना और स्थिति कंट्रोल करना, घायल लोगों को प्राथमिक उपचार करना, त्वरिक ट्रान्सपोंटेशन हेतु आवश्यक वाहन एवं ग्रीन कारीडोर का निर्माण करना आदि की जानकारी मॉक ड्रिल के जरिए दी गई। टीम ने बताया कि विकट परिस्थितियों में स्वयं को बचातेव हुए जानमाल के नुकसान को कम कर सकते है। साथ वही वे पीड़ितों को समय पर सहायता पहुंचाने व स्थिति सामान्य बनाने का प्रयास करते है। एसडीआरएफ की टीम ने बताया कि आपदा आने से पहनले ही सुरक्षा व बचाव हेतु हमें तमाम प्रकार की तैयारियां कर लेनी होती है, ताकि किसी प्रकार के नुकसान होने से बचा जा सके। मॉक ड्रिल से तकनीकी जानकारी मिलती है, जिसका लाभ विकट परिस्थितियों में मिलेगा। इस दौरान गरियाबंद कलेक्टर प्रभात मलिक, अपर कलेक्टर अविनाश भोई सहित गरियाबंद धमतरी जिले के अधिकारी-कर्मचारीगण मौजूद थे।

अनुसूचित जाति, जनजाति सीटों पर कांग्रेस चलायेगी लीडरशिप डेवलपमेंट मिशन

राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस की बैठक संपन्न

रायपुर। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सीटों में नया नेतृत्व बढ़ाने के लिये एलडीएम (लीडरशिप डेव्हलपमेंट मिशन) की बैठक आज प्रदेश कांग्रेस की राजीव भवन में संपन्न हुई। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं प्रभारी कुमारी सैलजा, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति, ओबीसी, अल्पसंख्यक विभाग के प्रभारी के. राजू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, प्रभारी सचिव डॉ. चंदन यादव, अखिल भारतीय कांग्रेस अनुसूचित जाति के अध्यक्ष राजेश लिलोथिया, एआईसीसी के आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष शिवाजी राव मोघे, सांसद दीपक बैज, मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने

अध्यक्षीय भाषण में कहा कि एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक के लीडरशिप के मिटिंग रखी गयी है। के राजू के निर्देशन में एलडीएम का कार्यक्रम रखा गया है। एससी सीटे, ओबीसी, एसी सामान्य वर्ग के लोग को कैसे आगे बढ़ाया जाये। हमारे जिला पंचायत, जनपद पंचायत, सरपंच, पंच परिवार के नेतृत्व क्षमता कैसे विकास हो राजू के साहब के मार्गदर्शन में मिलेगा। छत्तीसगढ़ में आदिवासी के 27 सीटे है जिसमें सरकार बनाने में बहुत बड़ी भूमिका है। केन्द्र में राज्य में सरकार बनाना है तो एससी, एसटी के आरक्षित सीटो को जीतना बहुत जरूरी है। यह कार्यक्रम के बाद अपने-अपने विधानसभा जिलों एवं ब्लाकों में जाकर व्यापक रूप से काम करना है।

एआईसीसी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा ने संबोधित करते हुये कहा कि उदयपुर में जब कांग्रेस पार्टी के नेतागण उपस्थित हुये जिसमें वरिष्ठ अनुभवी नेता, नौजवान, प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने मंथन किया। के. राजू ने एलडीएम ब्लू प्रिंट तैयार किया और कांग्रेस पार्टी ने माना। सोनिया गांधी ने कांग्रेस पार्टी को नेतृत्व दिया, दिशा दिया, कांग्रेस पार्टी को इकट्ठा करके रखा। 10 साल केंद्र में यूपीए की सरकार रही। भारतवासियों को आज एहसास हो रहा है कि उन्हें गलत दिशा में ले जाया जा रहा है। राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा किया। राहुल गांधी ने श्रीनगर में भारतवासी की एकता के लिये एक झण्डा फहराया। कांग्रेस पार्टी की विचारधारा है, नेतृत्व है, नेतृत्व का त्याग बलिदान है। हम सभी को अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिये। हम सभी को जमीन से उतरकर काम करना चाहिये।

आर.एन.आई. रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.